सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 36 | अंक 161 | भरतपुर, सोमवार 7 अक्टूबर, 2024 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ 8 मूल्य 1 रू.

काली तलाई दुग्ध उत्पादक....
पेज-3

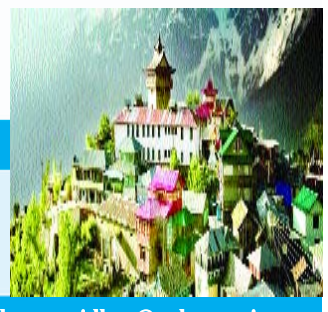

स्वर्ग से कम नहीं है.....
पेज-7

E-mail btpsjd@gmial.com, sjdbtp@yahoo.co.in

बाणगंगा को गम्भीर नदी से जोड़े सरकार- पं.रामकिशन

भुसावर 7 अक्टूबर। समाजवादी शताब्दी पुरुष के सम्मान से सम्मानित पूर्व सांसद पंडित रामकिशन ने कहा कि जहां भरतपुर और डीग जिले में पानी और रोजगार का संकट है वहीं दूसरी ओर देश मे गरीबी, बेरोजगारी, गंदगी, भ्रष्टाचार और गैर बराबरी की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही है जिससे देश का आम आदमी परेशान है सबको मिलकर इन समस्याओं का समाधान ढूंढना चाहिए।

पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन रविवार को भुसावर तहसील के ग्राम बाछरैन श् सलेमपुर खुर्द और कमालपुरा में मौजूद अनेक गाँवों से आये किसान और नौजवानों की सभाओं में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जहाँ आंतकवाद और पर्यावरण बड़ी चुनौतिया है वही हमारी सरकारों और वैज्ञानिकों को मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी से पैदा होने बाली समस्याओं के निदान तलाशने पर कोशिशे शुरू कर देनी चाहिये।

उन्होंने कहा कि हालांकी शौचालय बनने और कचड़ा प्रबंधन की बजह से गन्दगी जरूर कम हुई है तथा सरकारी योजनाओं का पैसा सीधा लाभार्थी के खाते में जाने से जरूर कुछ भ्रष्टाचार कम हुआ है ये कदम मोदी सरकार के उचित है, लेकिन सच्चाई यह है कि लगभग सभी विभागों में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि जब तक राजनैतिक भ्रष्टाचार नहीं मिटेगा तब तक प्रशासनिक और निचले स्तर पर बेईमानी समाप्त नहीं हो सकती क्योंकि राजनेताओं की तरह ही कम समय में दूसरे लोग भी जल्द धनवान बनना चहाते है क्योंकि भ्रष्टाचारियों में डर नहीं है।

पंड़ित रामकिशन ने कहा कि केवल पक्के मकान बनना ही तरक्की नहीं है बढ़ती गरीबी और बेरोजगारी कम होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि आर्थिक गैर बराबरी का हाल बहुत खराब है और इसके चलते देश में जितनी संपत्ति 40 प्रतिशन आबादी के पास है उतनी धन दौलत देश में केवल एक प्रतिशत अमीरों के पास पहुंच चुकी है जिसकी वजह से गरीब और गरीब होता जा रहा है, रोजगार के अवसर घट रहे है और बेरोजगारी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर सभी देशो की सहमति से एक कानून बनाकर खरबपतियों पर अधिक टैक्स लगाना चाहिये। पानी के संकट को देखते हुऐ सरकार को बाणगंगा नदी को गम्भीर नदी से जोडना चाहिये ताकी बाढ़ के वक्त लोगों के पानी मिल सके और जन धन का नुकसान उठाना नहीं पड़े। उन्होंने पाँचना बाँध के पानी का शीघ्र बँटवारा करने की माँग रखी इन मांगों का मौजूद लोगों ने एक जुट होकर समर्थन किया।

किसानों के साथ पूर्व सांसद पंडित रामकिशन।

लायंस क्लब भरतपुर बज द्वारा ट्रैफिक सिपाहियों का सम्मान

भरतपुर 7 अक्टूबर। क्लब अध्यक्ष सतीश मित्तल ने बताया कि लायंस क्लब के 2 अक्टूबर से प्रारंभ सेवा सप्ताह अनमोल खुशियों के अंतर्गत पांचवें दिन एक होटल में पांच ट्रैफिक पुलिस कर्मियों एएसआई हरीश चंद्र कांस्टेबल, उमेश सिंह, नरेंद्र सिंह, नंदकिशोर एवं हरिओम का सहायक प्रांतपाल पीएमजेएफ रामकुमार गुप्ता कार्यक्रम संयोजक विजय गोयल, गौरव फौजदार, सुबोध आर्य एवं विष्णु मित्तल ने माल्यार्पण, शाल, शहद एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया।

पूर्व अध्यक्ष लायन राकेश मित्तल ने कहा कि ट्रैफिक कर्मियों की सेवा बहुत कठिन है यह हमारी सुरक्षा के लिए गर्मी सर्दी बारिश में खड़े होकर सेवा करते हैं इनको पीने के पानी एवं बैठने तक की सुविधा नहीं होती है। कार्यक्रम में ओमप्रकाश गुप्ता, परमेंद्र गुप्ता, ओम प्रकाश सिंघल, राजेश्वर सिंह, राजेंद्र बंसलए बनवारी गोयल, मुनेश गुप्ता, नगेंद्र सिंघल, राकेश सिंघल, योगेश गोयल, संजय गोयल, विपिन गर्ग एवं सुनील गुप्ता मौजूद रहे।

ट्रेफि क कर्मियों को सम्मानित करते लायन्स क्लब के सदस्य।

गरिमा ऑपरेशन के तहत एक जाने को किया गिरफ्तार

भुसावर 7 अक्टूबर। महिलाओं एवं बालिकाओं से छेड़छाड़ को रोकने के लिए चलाए गए गरिमा ऑपरेशन के तहत कस्बा भुसावर के बस स्टैंड से एक व्यक्ति को महिलाओं से अश्लील हरकत करने के जुर्म में गिरफ्तार किया है। भुसावर थाना अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी भुसावर थाने के गांव मूसेपुर निवासी निरंजन पुत्र मनोज मीणा है।

रामलीला: रावण ने किया माता जानकी का हरण

भरतपुर 7 अक्टूबर। पुराने लक्ष्मण मंदिर के प्रांगण में चल रहे श्रीराम लीला महोत्सव में रविवार को राक्षसी शूपनखा के नाक, कान काटने, खरदूषण वध, सीता हरण, जटायू वध की लीला का मंचन किया गया। चित्रकूट त्यागकर श्रीराम लक्ष्मण व सीताजी वन में मुनि अत्रि व अनुसुइया, सुतीक्षण और अगस्त्य से भेंट कर दण्डकारण्य में पंचवटी पर निवास करने लगे। वहां राक्षसी शूपनखा राम-लक्ष्मण के आलौकिक सौन्दर्य से अभिभूत होकर सुन्दरी रूप धारण कर उनके पास जाकर प्रणय निवेदन करती है। किन्तु ठुकराये जाने पर विकट रूप धारण कर सीताजी को भयभीत करने लगती है जिससे क्रोधित होकर लक्ष्मण उनके नाक-कान काट डालते हैं।

रक्त बहाती शूपनखा खर-दूषण और त्रिशिरा राक्षसों के पास जाकर उन्हें भडकाती है। श्री राम सेना सहित उनका वध कर देते हैं। अन्त में शूपनखा रावण के पास जाकर गुहार लगाती है। रावण मामा मारीच के साथ षडयंत्र कर राम के आश्रम पर आ धमकता है, मारीच कपट से स्वर्ण मृग बनकर सीता को लुभाता है। सीता की इच्छा से श्रीराम उसका चर्म लेने के उद्देश्य से स्वर्ण मृग के पीछे दौड पडते हैं। काफी दूर जाकर श्रीराम उसका बधकर देते हैं किन्तु मरते समय वह दुष्ट लक्ष्मण को पुकारता है। आर्त्त स्वर सुनकर व प्रभु को संकट में जानकर सीता हठपूर्वक लक्ष्मण को प्रभु की सहायतार्थ भेजती है। सूना आश्रम देखकर दशशीश रावण कपट साधु के वेष में आकर सीता का हरण कर लेता है। सीता विलाप करती हुई जगह-जगह अपने निशान के रूप में आभूषणों को रास्ते में डालती है, मार्ग में गिद्धराज जटायू रावण का रास्ता रोककर युद्ध करता है किन्तु रावण उसका वध कर सीता को लंका में ले जाने में सफल हो जाता है। श्रीराम आश्रम में लौटकर आते हैं किन्तु जानकी को न पाकर दुखी होकर उन्हें खोजने निकल पडते हैं। लम्बे समय से वाट जोहिती शवरी से भेंटकर उसको नवधा भक्ति का उपदेश देकर पम्पा सरोवर की ओर प्रस्थान करते हैं। लीला स्थल पर अपार भक्तों का समूह उपस्थित रहा। जिनमें डॉ. अशोक गुप्ता, इं. कपूरचंद गोयल एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भगवान की आरती की गई और अंत में श्रीराम के जयघोष के साथ लीला समाप्त हुई।

भुसावर में विचित्र पशु का हुआ जन्म

भुसावर 7 अक्टूबर। भुसावर कस्बा में एक पशु पालक के यहां पर उसकी भैंस ने एक आठ पैर वाले विचित्र पशु का जन्म दिया। पशु पालक के यहां पर आठ पैर वाला विचित्र पशु होने की चर्चा जोरों पर चल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भुसावर कस्बा के वार्ड सात निवासी नरेंद्र सेनी की भैंस के प्रसव पीड़ा के समय उसकी भैंस ने आठ पैर वाला जिंदा विचित्र पशु को जन्म दिया है। कस्बा में आठ पैर वाला विचित्र पशु होना चर्चा का विषय बना हुआ है। इस विचित्र जन्मे पशु को देखने के लिए लोगो की भीड़ लग गई। जिसकी कुछ घंटों बाद ही मृत्यु हो गई।

रात्रि चौपाल में कलेक्टर ने समय पर समस्या समाधान के दिए निर्देश, लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

कामां 7 अक्टूबर। ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा स्थित धार्मिक स्थलों को विकसित करने एंव धार्मिक पयर्टन को बढावा देने को लेकर डीग जिला कलक्टर उत्सव कौशल ने शनिवार को कामां पंचायत समिति की ग्राम पंचायत छिछरबाडी में रात्रि चैपाल में ग्रामीणों की समस्या को सुनने के बाद सम्बन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों को समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

उपखण्ड अधिकारी दिनेश शर्मा ने बताया कि डीग के जिला कलक्टर उत्सव कौशल ने शनिवार सांय को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की बजट घोषणा में ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के धार्मिक स्थलों को विकसित कर मूलरूप देने के लिए ब्रज चैरासी कोस परिक्रमा स्थित धार्मिक स्थल आदिब्रदी, केदारनाथ झिरी मन्दिरएचरण पहाडी के धार्मिक स्थलों का निरीक्षण कर अधिकारियों के साथ इनके विकास के लिए योजना तैयार करने निर्देश दिए। विकास अधिकारी मुरारी लाल गौतम ने बताया कि इसके बाद जिला कलक्टर उत्सव कौशल अधिनस्थ अधिकारियों के साथ कामां पंचायत समिति की ग्राम पंचायत छिछरबाडी के अटल सेवा केन्द्र पर आयोजित रात्रि चैपाल में जनसुनवाई के लिए पहुंचे। जहां ग्रामीणों के द्वारा लंका यशोदा नहर की खुदाई कराने तथा इसकी मरम्मत कराते हुए गुडगावां कैनाल से कुलावा निकवाने की मांग की। साथ ही छिछरबाडी के ग्राम पंचायत के ग्रामीणों के द्वारा आवारा गौवंशों के द्वारा फसल को नुकसान पहुंचाने की शिकायत की। जिसपर जिला कलक्टर ने आवारा गौवंशों को गौशाला में भेजने के निर्देश दिए। इसके अलावा क्षेत्र में चम्बल परियोजना की पेयजल समस्या से ग्रामीणों ने जिला कलक्टर को अवगत कराया पीने के पानी को लेकर जलदाय विभाग ओर चम्बल परियोजना के अधिकारी व कर्मचारी गंभीर नही है। वहीं दूसरी ओर सामाजिक कार्यकर्ता विजय मिश्रा ने भी क्षेत्र की पेयजल समस्या से अवगत कराया। रात्रि चौपाल में कामा कस्बे में 8 दिन में पीने का पानी आने की समस्या का मुद्दा भी छाया रहा जिला कलेक्टर ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता गंगाराम की जमकर क्लास ली कलेक्टर के सवालों का जवाब ही नहीं दे पाए जलदाय विभाग के सहायक अभियंता बगले झांकते नजर आए जिला कलेक्टर ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को कामां कस्बे मे तीसरे दिन पानी की सप्लाई देने की निर्देश दिए।

जनसुनवाई करते हुये जिला कलक्टर।

बेसहारा गौवंश को गौशाला भिजवाए जाने की मांग

कामां 7 अक्टूबर। देर रात्रि को कामा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत छिछरवाडी में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर उत्सव कौशल को ज्ञापन सौंप कर गॉव इन्द्रौलीएछिछरवाडी व कामां के जंगल में सैकड़ो की संख्या में विचरण करने वाले बेसहारा गोवंश को पकड़वाकर गौशाला भिजवाए जाने की मांग की है।

गांव छिछरवाड़ी निवासी ग्रामीण राजेन्द्र सैनी ने बताया कि सैकड़ो की संख्या में बेसहारा गौवंश जंगलों में विचरण करता रहता है झुंड के झुंड जब खेतो से होकर गुजरते हैं तो फसलें बर्बाद हो जाती हैं किसानों को रात.रात भर जागकर रखवाली करनी पड़ती है किसानों को लाखों रुपए खर्च कर अपनी फसलों की रक्षा करनी पडती है खेतों की तरकशी करवानी पड़ रही है किसानों ने कलेक्टर से मांग की है कि यह बेसहारा गौवंश को पकड़वाकर गौशाला भिजवाया जाए जिससे किसानों को राहत मिल सके

बाछरैन पीएनबी लूट काण्ड

मौके से फरार हुए बदमाश की तलाश में जुटी भुसावर पुलिस

भुसावर 7 अक्टूबर। पुलिस ने थाना क्षेत्र के गांव बाछरेन में स्थित पी एन बी बैंक में लूट के इरादे से आए दो हथियारबंद नकाब पोश बदमाशो में से एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक बिना नंबरी बाइक 315बोर का एक देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया। जबकि दूसरा आरोपी मोका पाकर भाग गया। बैंक मेनेजर की ओर से विभिन्न धाराओं में भुसावर थाने अभियोग दर्ज किया है।

थानाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता ने बताया की थाने के गांव बाछरेन की पी एन बी बैंक के मेनेजर की ओर से बैंक में दो अज्ञात हथियारबंद बदमाशो के आने और बैंक से कैश लूटने का प्रयास तथा बदमाशो की ओर से हथियार का भय दिखाने का मामला दर्ज कराया है। भुसावर पुलिस ने बैंक मेनेजर की ओर से दोनो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया हैं। पुलिस ने बैंक लूट के प्रयास के मामले में दौसा जिले के सलेमपुर थाने के लांगरी पुरा पावटा निवासी हरिराम पुत्र रामवतार गुर्जर को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से भुसावर पुलिस ने तीन सौ पंद्रह बोर का देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बिना नंबरी बाइक और खाली कारतूस भी जप्त किए है। इस घटना में शामिल आरोपी हरिराम पुत्र रामवतार गुर्जर के मामा के लड? रामवीर पुत्र भगवान सिंह कामर पहाड़ी थाना महवा दौसा की तलाश जारी है। जो की मोका पाकर घटना स्थल से फरार हो गया था।

जिसको भुसावर पुलिस ने चिन्हित कर लिया गया है। भुसावर बैंक लूट के प्रयास के मामले में गिरफ्तार आरोपी से पुलिस सघन पूछताछ कर रही है।

दीदावली के ग्रामीणजनों ने जेईएन व लाइन मैन पर लगाया परेशान करने का आरोप

डीग 7 अक्टूबर। जिले के गांव दिदावली में काफी समय से कनिष्ठ अभियंता ग्रामीण आकाश लाइन मैन धर्मेन्द्र द्वारा जानबूझकर ग्राम दिदावली के लोगों को शनिवार से जमकर परेशान करने के आशय से लाइन फाल्ट के नाम पर बिगत 18 घंटे से दिदावली गांव की विद्युत सप्लाई को बंद कर रखा है। शनिवार रात 9 बजे से समाचार लिखे जाने तक विद्युत सप्लाई को चालू नहीं किया गया है।

गुर्जर समाज डीग अध्यक्ष आनन्दप्रकाश पटेल ने बताया कि विद्युत सप्लाई बंद रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है भीषण गर्मी के साथ.साथ मच्छरों से परेशान लोगों को रात गुजारनी पड़ी और ग्रामीण और पशुओं को पेयजल की किल्लत हो गई है और लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो गई है।

विद्युत सप्लाई की पूछने पर कनिष्ठ अभियंता और लाइन मैन द्वारा लोगों को धौंस दिखाई जा रही है और कहां जा रहा है ऐसी सप्लाई चलेगी अधीक्षण अभियंता को फोन करने के बावजूद भी सप्लाई को चालू नहीं किया गया है।

गुर्जर समाज डीग अध्यक्ष आनंद प्रकाश पटेल ने बताया है कि विद्युत विभाग ने लाइट की व्यवस्था को सही नहीं किया बिजली घर पर ग्रामीण धरना प्रदर्शन करने पर विबस होंगे इसकी जिम्मेदारी स्वय विद्युत विभाग की होगी।

राजस्थान की सीनियर महिला 20 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए ज़िले से तीन खिलाडियों का चयन

भरतपुर 7 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा राजस्थान की सीनियर महिला -20 की टीम चयन हेतु आयोजित की जा रही सीनियर महिला -.20 चैलेंजर ट्रॉफी में भरतपुर जिले से एक साथ तीन महिला खिलाड़ीयो का चयन किया गया है जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुघन तिवारी ने बताया की नीतू शर्मा और मनीषा कुंतल का टीम में तथा पूनम शर्मा का टीम में चयन किया गया है तथा यह चैलेंजर ट्रॉफी 5 अक्टूबर से जयपुर में.20 फॉरमेट के आधार प्रारम्भ हो चुकी है इस चैलेंजर ट्रॉफी में पूरे राजस्थान से बेहतरीन खिलाडि?ों का चयन कर कुल 6 टीम बनाई गई है एवं इसी चैलेंजर ट्रॉफी के परफॉर्मेंस के आधार पर सीनियर महिला .20 राजस्थान की 16 सदस्यीय टीम बनाई जाएगी इनके चयन पर जिला क्रिकेट संघ के चयनकर्ता नरेश खत्री, सूरज शर्मा, लंकेश सियाराम, प्रेम सिंह पकज गोयल एवं संघ के अध्यक्ष अरुण सिंह उपाध्यक्ष विष्णु लोहिया और अजय कुमार शर्माए संयुक्त सचिव अरुण कुमार गुप्ता व कोषाध्यक्ष मुनेन्द्र तिवारी तथा सदस्य नाहर सिंह पैंगौर, त्रिलोकनाथ शर्मा, वीनू सिंह, राहुल लोहिया, देवेंद्र सिंह कालू, मंगल सिंह, रविंद्र कौमारियाँ एवं बरिष्ठ खेल पत्रकार संजीव चीनिया आदि ने खिलाडियों को शुभकामनाएं प्रेषित की एवं संघ के कार्यालय पर मिठाइयां बाँटी।

पेंशनर समाज के वार्षिक अधिवेशन की व्यवस्थाओं हेतु बैठक का आयोजन

भरतपुर 7 अक्टूबर। राजस्थान पेंशनर समाज जिला शाखा के होने वाले वार्षिक अधिवेशन की व्यवस्थाओं के संदर्भ में संस्था के जिलाध्यक्ष डोरीलाल शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में लिये गये निर्णयानुसार जिला मुख्यालय से सभी सदस्यों को आजीवन सदस्यता प्रमाण पत्र 05 से 15 अक्टूबर तक प्रात- 10 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक कार्यालय पेंशनर भवन काली की बगीची पर निशुल्क वितरित किये जा रहे हैं, जिन्हें सभी सदस्य आवश्यक रूप से प्राप्त कर लें। संगठन के महामंत्री सीताराम वर्मा ने अवगत कराया है कि जो पेंशनर संगठन के सदस्य नहीं हैं उन्हें भी वहीं पर सदस्य बनाया जा रहा है। आजीवन सदस्य बनने के लिए पेंशनर को पीपीओ की फोटो प्रति व 250/-रू. साथ लावें तथा यह भी निर्णय लिया गया है कि वार्षिक सम्मेलन में केवल पेंशनर समाज के सदस्य ही भाग ले सकेंगे।

बैठक में घनश्याम शरण शर्मा, मोहन सिंह पाराशर, बल्देव सिंह कुन्तल, हरीचरण लाल शर्मा, भगवान सिंह टीकैता, अमर सिंह नौहवार, श्याम सुन्दर कटारा, चन्द्रभान सिंह माहौर, दुर्ग सिंह, विजय सिंह पहलवान, रामेश्वर दयाल शर्मा, बृजेश फौजदार, छिद्दीमल शर्मा, डा0 गंभीर सिंह, छिद्दीमल शर्मा, देवकीप्रसाद शर्मा, पूरन चंद गुप्ता, रामबाबू गुप्ता, ओमप्रकाश आजाद, जीवनलाल शर्मा आदि बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे।

अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन ने ओम बिरला को दिया निमंत्रण

भरतपुर 7 अक्टूबर। कोटा से मथुरा जाते समय स्थानीय रेलवे स्टेशन पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के स्वागत करते हुए अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारीयो ने आगामी 10 नवंबर को होने वाले विराट वैश्य महासंगम में सम्मिलित होने के लिए ओम बिरला को निमंत्रण दिया।

उनका कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि इस विराट वैश्य महासंगम में जिले के वैश्य समाज के सभी घटकों के हजारों वैश्य बंधु बहन भाग लेंगी। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने आयोजन के प्रयास की सराहना करते हुए जोर.शोर से तैयारी करने के निर्देश दिए और अपना भरतपुर आने को प्रोग्राम बनाने का पूर्ण आश्वासन दिया।

स्वागत समारोह में जिलाध्यक्ष अनिल लोहिया, जिला महामंत्री सुमनेश गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष मनीष गर्ग, शहर अध्यक्ष सत्यव्रत आर्य, उपाध्यक्ष लक्ष्मी चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश पीतलिया आदि वैश्य बंधुओ ने भाग लिया।

एनसीसी कैडेट्स ने प्रशिक्षण के साथ सरिस्का का किया भ्रमण

अलवर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की यूनिट 3 राज आर्मड स्क्वाड्रन एनसीसी अलवर का इटाराना छावनी में ट्रैकिंग कैम्प के चौथे दिन शुक्रवार को कैडेट्स ने सैन्य प्रशिक्षण लेने के साथ ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। सुबह 6 बजे सभी कैडेट्स के लिए शारीरिक प्रशिक्षण (पीटी) हुई। प्रशिक्षण के बाद सीनियर विंग की लड़कियों को पांडुपोल और सरिस्का टाइगर रिजर्व का भ्रमण किया और वन्यजीव संरक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की।

वहीं सीनियर विंग के बॉयज कैडेट्स और जूनियर विंग के कैडेट्स को सैन्य तंबुओं और पुरस्कारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कैंप के दौरान एआरओ के निदेशक कर्नल आलोक रंजन ने कैडेट्स को सेना में शामिल होने के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने एनडीए, अग्नि-वीर और तकनीकी क्षेत्र जैसे विकल्पों पर प्रकाश डाला। साथ ही सीनियर डिवीजन लड़कों के बीच टेंट पिचिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके बाद वॉलीबॉल व खो-खो प्रतियोगिता हुई। वहीं शाम को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें भरतनाट्यम, समूह गायन, समूह नृत्य, एकल नृत्य और एकल गायन विभिन्न प्रस्तुतियां शामिल थी।

श्रीअग्रसेन जन्मोत्सव में रैंप पर दिखे फैशन के रंग

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में श्री अग्रसेन जन्मोत्सव को लेकर विभिन्न आयोजन किए जा रहे है। दस दिवसीय समारोह के दूसरे दिन महिलाओं की हेयर स्टाइल बनाओ, अनाज से रंगोली बनाओ, बेबी लाइव सेल्फी स्टूडियो व महिला जागृति विचार प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक संध्या में रैंप शो व ग्रुप डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष दीपिका निमोदिया ने बताया- दोपहर में अग्रवाल उत्सव भवन में आयोजित अनाज से रंगोली बनाओ प्रतियोगिता में युवतियों व महिलाओं ने गेंहू, मक्का, राजमा, चावल, उड़द, चना, मूंग, मसूर आदि अनाज का प्रयोग करते हुए गणेशजी, शिव परिवार, अग्रसेन जी, अन्नपूर्णा देवी की कलाकृति बनाई। वहीं एक प्रतिभागी ने कोलकाता में हुए निर्भया कांड के दर्द को दिखाती हुई एक कलाकृति भी बनाई। विवाहित व अविवाहित वर्ग के लिए हुई प्रतियोगिता में प्रिनल अग्रवाल, भाविका अग्रवाल प्रथम, वर्षा बंसल, यति शाह द्वितीय, नूपुर अग्रवाल, अर्पित अग्रवाल तृतीय रही। बेबी लाइव फोटो स्टूडियो प्रतियोगिता में माताएं अपने नन्हें बच्चों को मनमोहक वेश में तैयार कर पहुंची। इस दौरान श्रीकृष्ण, लव

कुश, नाविक आदि थीम पर बच्चों का फोटो शूट किया गया। इस प्रतियोगिता में याशवी अग्रवाल प्रथम, चार्विक बंसल द्वितीय और रित्वी अग्रवाल तीसरे स्थान पर रही। हेयर स्टाइल बनाओ प्रतियोगिता में भाविका अग्रवाल प्रथम, प्रतीक्षा अग्रवाल द्वितीय व अर्पिता अग्रवाल तृतीय रही। महिला विचार प्रतियोगिता में युवतियों व महिलाओं ने नारी की आत्मनिर्भरता,आत्मरक्षा,बढ़ती उम्र के कारण शादियों में होने वाली परेशानी आदि

समस्याओं पर अपने विचार रखें। इस प्रतियोगिता में गुनमाला अग्रवाल प्रथम, सपना अग्रवाल द्वितीय एवं संगीता अग्रवाल ने तीसरा स्थान हासिल किया। शाम को सांस्कृतिक संध्या में रैंप शो व ग्रुप डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। किड्स वॉक में चमचमाती रंग बिरंगी रोशनी के बीच डीजे की धुन पर सज-धज कर आए बालक-बालिकाओं ने दर्शकों की वाह वाही लूटी। पारिवारिक वर्ग की रैंप वॉक में बच्चों से बुजुर्गों तक परिवार की दो-तीन पीढ़ियों ने एक साथ कदम से कदम मिला फैशन के साथ साथ पारिवारिक एकता का परिचय दिया। ग्रुप डांस प्रतियोगिता में सदाबहार गीतों के बोल युवाओं, महिलाओं ने रंगारंग प्रस्तुति से दर्शकों को अपने साथ झूमने पर मजबूर किया। कार्यक्रम संचालन में कृष्ण गोपाल मंगल, बृजेश बंसल, गौरव गुप्ता आदि का सहयोग रहा।

खेतड़ी में रामलीला महोत्सव का आयोजन

खेतड़ी। खेतड़ी नगर स्थित केसीसी के रामलीला मैदान में चल रही दस दिवसीय रामलीला महोत्सव के दूसरे दिन सीता स्वयंवर व लक्ष्मण परशुराम संवाद का मंचन किया गया। इस दौरान माता सीता का स्वयंवर के लिए राजाजनक ने दूर दूर के राजाओं को आमंत्रण दिया। दूर-दूर से आए राजाओं ने स्वयंवर में रखे विशाल धनुष को कोई भी राजा

धनुष तोड़ना तो दूर उसे हिला भी नहीं सके। तब राजा जनक का विलाप सुन कर विश्वामित्र ने भगवान राम से कहा उठऊ राम भंजु भव चापा, मिटहु तात जनक परितापा। तब भगवान श्रीराम ने गुरु की आज्ञा पाकर विशाल धनुष को दो भागों में कर सीता से स्वयंवर किया। धनुष टूटने के बाद परशुराम वहा पहुंच कर क्रोधित हो जाते है।

रामलीला; ताड़का वध व अहिल्या उद्धार प्रसंग का मंचन

सीकर। शहर के रामलीला मैदान में सांस्कृतिक मंडल की ओर से किए जा रहे रामलीला मंचन के दूसरे दिन शुक्रवार को राम जन्म, ताड़का वध व अहिल्या उद्धार के प्रसंग का मंचन किया गया। भगवान राम के जन्म पर नगरी में खुशियां मनाई गई। इसके बाद राम का वशिष्ठ मुनि के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने जाना व विश्वामित्र और दशरथ के प्रसंग का मंचन किया गया। इसके बाद ताड़का वध का शानदार मंचन किया गया। अंतिम प्रसंग अहिल्या उद्धार का हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग रामलीला मैदान में मौजूद रहे। सांस्कृतिक मंडल सीकर के संयुक्त मंत्री जानकी प्रसाद इंदौरिया ने बताया कि शनिवार को रामलीला में राम विवाह, लक्ष्मण-परशुराम

संवाद और भगवान राम के वनवास के प्रसंग का मंचन किया जायेगा। इधर, शुक्रवार को रामलीला मंचन के दौरान महिला अतिथि कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी।

जेकेके में 8 से शुरू होगा श्री रामलीला महोत्सव

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र में पांच दिवसीय श्री रामलीला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 8 से 12 अक्टूबर तक प्रतिदिन सायं सात बजे से मध्यवर्ती में स्वगृही नाट्य प्रस्तुति के रूप में रामलीला का मंचन होगा। इसमें पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रवेश ले सकेंगे। महोत्सव में श्री राम की जीवन गाथा से जुड़े 100 से अधिक प्रसंग मंच पर साकार होंगे। कार्यक्रम में अभिनय के साथ ही कथक, भरतनाट्यम, लोक नृत्य और लोकगीत भी मुख्य आकर्षण रहेंगे। नाट्य प्रस्तुति में संवादों के साथ ही दोहे, छंद, गीत, घनाक्षरी व चौपाइयों का समावेश भी होगा। वरिष्ठ नाट्य निर्देशक अशोक राही के निर्देशन में हो रहे नाट्य में 125 अभिनेता, अभिनेत्री, संगीतकार, नर्तक और गायक समेत लगभग 150 कलाकार सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी निभाएंगे। ऑडिशन के आधार पर अभिनेता-अभिनेत्रियों का चयन किया गया था।

श्रीमद् भागवत कथा में बताया शास्त्रों का महत्व

सीकर। पालवास रोड रतिनाथ अपार्टमेंट के सामने दुर्गा पूजा व संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन पंडित जय गोपाल शास्त्री ने शास्त्रों का महत्व बताया। कहा कि शास्त्रों में वर्णन आया है कर्म के बिना मनुष्य विचाराधीन रहता है। महाराज ने कहा के कर्म के बिना धर्म की कल्पना करना निरर्थक है। क्योंकि कर्म ही धर्म की प्रथम सीढ़ी है। इस दौरान रघुनाथ रणवां, राधेश्याम शर्मा, हरलाल खीचड़, कमल किशोर शर्मा आदि मौजूद रहे।

मां का हृदय पुत्र के लिए सदैव कोमल रहता है-पंडित गोपाल मिश्र

मुकुंदगढ़। डूंडलोद के सामुदायिक भवन में मोहन गोयनका फाउंडेशन के सौजन्य से श्रीमद भागवत कथा का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। कथा से पूर्व श्रीमद भागवत की पूजा अर्चना की गई। कथा में मुख्य यजमान उमेश मिश्रा ने सपत्नीक पूजा अर्चना की। उमेश मिश्रा ने कथावाचक का माला पहनाकर स्वागत किया। कथा वाचक गोपाल मिश्र ने व्यासपीठ से भगवती जगदम्बा द्वारा कृष्ण की रक्षा की कथा करुणा भाव के साथ वर्णन किया। मिश्र ने कहा कि मां करुणामयी व दयावान होती। मां भगवती बालक की उदंडता, नीचता सब सहन करके गोद में बैठा लेती है। पुत्र कितना भी नीच हो लेकिन मां का कलेजा उसके लिए सदैव धड़कता रहता है। जिस तरह मां का हृदय पुत्र के लिए विचलित रहता है सदैव पुत्र के प्रति प्रेम रहता है उसी प्रकार वर्तमान में पुत्र को भी अपने माता पिता के प्रति श्रद्धा, सेवा और समर्पण का भाव रखना चाहिए। सेठ अर्जुनदास गोयनका हवेली में शतचंडी यज्ञ में मंत्रों के साथ जगदम्बा की ज्योत ली गई। कथा का समापन 10 अक्टूबर को होगा। उमादत्त तोलासरिया, महावीर प्रसाद शर्मा, महेश भूत, मुकेश पारीक, एडवोकेट अश्वनी महर्षि, सुभाष भूत, महेश जोशी, बनवारी जांगिड़, मनफूल पूनिया सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

नगर निगम के सफाई कर्मियों का सम्मान

जयपुर। लायन्स व लियो क्लब जयपुर के सेंट्रल स्पाईन द्वारा विद्याधर नगर के वार्डों के कुछ सफाई कर्मियों को शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष बसन्त जलेवा, कोषाध्यक्ष योगिता जलेवा, रामशरण जांगिड़, श्याम सुन्दर अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल, मनन जलेवा, उमेश सोनी आदि सदस्य उपस्थित थे।

शहरवासियों ने देर रात तक किया गरबा डांस,कार्यक्रम के दूसरे दिन रौनक बढ़ी, पार्षदों ने भी लगाएं ठुमके

अजमेर। अजमेर नगर निगम की ओर से आजाद पार्क में चल रहे गरबा कार्यक्रम के दूसरे दिन शुक्रवार को रौनक बढ़ी। शहरवासी यहां गरबा नृत्य करने के लिए पहुंचे। यहां शाम से ही लोग पहुंचने लगे और देर रात तक कार्यक्रम जमा रहा। पार्षदों ने भी ठुमके लगाएं। शनिवार से होने वाले डांडिया में गरबा ड्रेस में आने वाले युवक-युवतियों को स्टेज पर गरबा खिलाया जाएगा।

वहीं नवरात्र के दौरान डांडिया में होने वाली प्रतियोगिताओं में उन्हीं विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा, जो नगर निगम सीमा क्षेत्र के 80 वार्डों में रहने वाले हो। शनिवार से होने वाले डांडिया में गरबा ड्रेस में आने वाले युवक-युवतियों को स्टेज पर गरबा खिलाया जाएगा। अत: विजेताओं को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपना आधार कार्ड, जिसमें पता अजमेर शहर नगर निगम सीमा क्षेत्र

का हो, वह रखना जरूरी होगा। गरबा शुरू होने के पहले आरती महापौर ब्रजलता हाड़ा, मेला संयोजक डिप्टी मेयर नीरज जैन, पार्षद राजेंद्र सिंह राठौड़, गजेंद्र सिंह रलावता, रणजीत सिंह नरूका, हेमलता बंसल, श्रवण कुमार, महेंद्र राव, सुनील धानका, अनिता चौरसिया तथा कर्मचारी अनिल उदासी, भगवान दास जेठानी, आशीष धारीवाल, अयाज अहमद शेख आदि मौजूद थे।

आज का राशिफल

सोमवार, 7 अक्टूबर, 2024

- **मेष :** अपनी जिम्मेदारियों को आप बखूबी निभाएंगे, साथ ही किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति का सहयोग आपके कार्यों को और अधिक सुगम बनाएगा। युवा लोग अपने किसी खास लक्ष्य को लेकर किए गए प्रयास में सफल रहेंगे।
- **वृष :** बेहतरीन ग्रह स्थिति बनी हुई है। संतान से संबंधित कोई महत्वपूर्ण कार्य बन जाने से घर में सुकून और खुशी भरा माहौल रहेगा। आपकी कार्यप्रणाली और विवेक आपको घर और समाज में मान-सम्मान प्रदान करेगा।
- **मिथुन :** कहीं फंसा हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। घर में बदलाव अथवा रखरखाव संबंधी गतिविधियों की योजनाएं बनेंगी और आपकी सलाह को उचित महत्व दिया जाएगा। युवा वर्ग अपने करियर को लेकर उत्साहित रहेंगे।
- **कर्क :** मन मुताबिक गतिविधियों में समय व्यतीत करके आपको हार्दिक तथा मानसिक शांति का अनुभव होगा। बच्चों के साथ कुछ समय व्यतीत करने से उनका हौसला और आत्मविश्वास और अधिक बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में दोस्तों अथवा संबंधी की सलाह मददगार साबित होगी।
- **सिंह :** यह समय थोड़ा सचेत रहने का है। अपने किसी भावी लक्ष्य को सुनियोजित ढंग से हासिल करने का प्रयास करें। अपने संपर्कों को भी और अधिक मजबूत कीजिए। कुछ नई जानकारियां हासिल होंगी।
- **कन्या :** आर्थिक स्थिति अनुकूल बनने से आत्मविश्वास और मनोबल में भी वृद्धि होगी। अनुभवी तथा वरिष्ठ लोगों के साथ कुछ समय व्यतीत अवश्य करें, उनके अनुभवों और जानकारियों से आपको कई नई बातें सीखने को मिलेंगी।
- **तुला :** नई योजनाएं बनाने तथा उन्हें क्रियान्वित करने का अनुकूल समय है। सिर्फ चुनौतियों से घबराने की बजाय उनका मुकाबला करें। इससे सफलता के मार्ग भी खुलेंगे। रचनात्मक और धार्मिक क्रियाकलापों के प्रति रुझान रहेगा। किसी मित्र के साथ मुलाकात सकारात्मक साबित होगी।
- **वृश्चिक :** किसी संबंधी के माध्यम से अथवा फोन द्वारा कोई खास सूचना मिलेगी। मानसिक रूप से बहुत अधिक सुकून का अनुभव करेंगे। समझदारी से किया गया धन का विनिमय आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बच्चों का ध्यान अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेगा।
- **धनु :** दिन का कुछ समय आध्यात्मिक अथवा धार्मिक गतिविधियों में व्यतीत होगा, जिससे आप सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे। संतान के करियर से संबंधित किसी समस्या का भी हल जरूर निकलेगा।
- **मकर :** आप घर की साज-सज्जा व रचनात्मक कार्य में अपने आप को व्यस्त रखेंगे। घर के रखरखाव संबंधी सामान की ऑनलाइन शॉपिंग में भी समय व्यतीत होगा। विद्यार्थियों को करियर संबंधी कोई शुभ सूचना मिल सकती हैं। कुछ रुके हुए व्यक्तिगत कार्य आज पूरे करने पड़ सकते हैं।
- **कुंभ :** आज कोई पारिवारिक मसला हल होने से व्यवस्था ठीक हो जाएगी। सामाजिक व धार्मिक क्रियाकलापों में समय व्यतीत करने से आपको मानसिक सुकून और शांति मिलेगी। प्रॉपर्टी के लेनदेन संबंधी गतिविधियां भी आगे बढ़ेंगी।
- **मीन :** अनुभवी तथा वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन से आप उचित तरीके से अपने कामों को अंजाम दे पाएंगे। निवेश संबंधी कार्य भी संपन्न होंगे। परिवार के साथ मनोरंजक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनेगा।

अनुशासन दिवस का आयोजन किया गया

जयपुर, 7 अक्टूबर। अणुव्रत समिति जयपुर द्वारा रविवार 06 अक्टूबर 2024 को अणुविभा केन्द्र जयपुर पर अनुशासन दिवस का आयोजन किया गया। अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के छठें दिन को अनुशासन दिवस के रूप में मनाते हुए अणुव्रत समिति, जयपुर के अध्यक्ष विमल कुमार गोलेछा द्वारा आये अतिथियों का स्वागत किया गया।

साध्वीश्री मंगल प्रभाजी के पावन सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए उमेन्द्र गोयल ने अनुशासन के महत्त्व से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रकृति स्वयं अनुशासित है उसी की भांति हम सभी को भी अनुशासित होना होगा। अनुशासन लक्ष्य प्राप्ति की प्रथम सीढ़ी है। अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये अनुशासन को अपने जीवन में अंगीकृत करना आवश्यक है।

अनुशासन के नियमों, उपनियमों, विधि और प्रविधि की पालना उसी तरह आवश्यक है जिस तरह हम केन्द्र द्वारा बनाये गये कानूनों का अनुसरण करते है। राजेन्द्र सेठिया द्वारा उक्त उद्गार व्यक्त करते हुए सभी को अनुशासित रहने के लिये प्रेरित किया गया। गुलाब बोथरा ने अनुशासन, अणुव्रत और प्रेक्षाध्यान से सभी को परिचित कराया।

आचार्य तुलसी फाउन्डेशन के मुख्य ट्रस्टी पन्ना लाल बैद और जयपुर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष विमल कुमार गोलेछा ने मुख्य वक्ता उमेन्द्र गोयल को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन अणुव्रत समिति, जयपुर की सचिव डॉ. जयश्री सिद्धा द्वारा किया गया।

डेंगू व थैलेसीमिया पीड़ितों की मदद को लगाया रक्तदान शिविर

कोटा, 7 अक्टूबर। अक्टूबर शहर में डेंगू मच्छर से बीमारियों के बढ़ते प्रकोप से मरीजों की संख्या बढ़ रही है। विभिन्न अस्पतालों में इलाज़रत लोगों में प्लेट्लेट एवं रक्त की कमी को देखते हुए समाज सेवी हैदर अली और सोहेल तनवीर के आह्वान पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। नयापुरा एमबीएस ब्लड बैंक में आयोजित इस शिविर में 60 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। मालूम हो कि डेंगू से उत्पन्न परेशानियों से अवगत कराते हुए एमबीएस ब्लड सेंटर की ओर से समाज सेवी हैदर अली को पहल करने का आग्रह किया गया था। रविवार को समाज सेवी हैदर अली ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट के माध्यम से लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने का आग्रह किया ताकि ब्लड सेंटर में उत्पन्न रक्त की कमी को पूरा किया जा सके। अल्प समय की तैयारियों के बावजूद मात्र सोशल मीडिया के अपील के जरिये शनिवार को 60 लोगों ने रक्तदान किया। हैदर अली ने कहा इस कठिन समय में युवाओं को बढ़ चढ़कर रक्तदान शिविर में हिस्सेदारी लेनी चाहिए रक्तदाताओं कर हौसला अफजाई के लिए जिला शहर अध्यक्ष रविंद्र त्यागी उप महापौर सोनू कुरैशी पार्षद सलीना शेरी चेतन मेवाड़ा कलीम मिंटू आदि शामिल हुए।

प्रेक्षा वाहिनी द्वारा प्रेक्षाध्यान कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर, 7 अक्टूबर। तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें आचार्य मुनिश्री महाश्रमण द्वारा प्रेक्षाध्यान के 50 वे वर्ष में प्रविष्ठ होने पर प्रेक्षा कल्याण वर्ष घोषित किये जाने के क्रम में प्रेक्षावाहिनी,जयपुर द्वारा अणुविभा केंद्र,जयपुर में साध्वीश्री मंगल प्रभा जी के पावन सानिध्य मे प्रेक्षाध्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आगाज प्रेक्षा प्रशिक्षिका रीना गोयल, विजया छलानी, रुचिका जैन, रिया गेहानी, पलक थावरानी, सोनिया जुनेजा, सुनीता जैन और सुरेश बरडिया द्वारा प्रेक्षा गीत के संगान से किया गया।

साध्वीश्री प्रणव प्रभा जी ने प्रेक्षा ध्यान का अभ्यास करने पर विचार करने और निर्णय लेने के स्थान पर इसकी क्रियान्वित पर बल दिया, सम्यक ज्ञान तभी प्राप्त होगा जब उसे प्राप्त करने के लिए सम्यक श्रद्धा भी होगी किन्तु इसकी प्राप्ति के लिये प्राप्तकर्ता का पात्र होना आवश्यक है।

साध्वी श्री ने आत्मा तक पहुंचने का आसान और उचित मार्ग प्रेक्षा ध्यान बताया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका रीना गोयल ने प्रेक्षा ध्यान का महत्व समझाते हुए प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया। प्रेक्षा ध्यान के क्रियात्मक पक्ष दीर्घश्वास प्रेक्षा का अभ्यास प्रेक्षा प्रशिक्षिका विजया छलानी द्वारा कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित साधकों का आभार रुचिका जैन द्वारा ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन उमेन्द्र गोयल द्वारा किया गया।

काली तलाई दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति की आमसभा व पारितोषिक वितरण समारोह

केन्द्र,राज्य सरकार व कोटा सरस डेयरी की योजनाओं से पशुपालकों किया अवगत

सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठायें पशुपालक – राठौड़

निशुल्क बीज, कुट्टी की मशीन, उच्च नस्ल के पशुधन से लाभान्वित होगी समिति – चैन सिंह राठौड़

कोटा, 7 अक्टूबर। कोटा सरस डेयरी से जुड़ी समितियों के प्रोत्साहन व उनकी उन्नति के लिए कोटा–बूंदी दूध उत्पादक संघ सदैव प्रत्यनशील रहता है।समितियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी योजनाओं और संघ के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जाता है। यह बात कोटा बूंदी दूध उत्पादक संघ के अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ ने बूंदी जिले के कापरेन मार्ग स्थित काली तलाई दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति की ओर से प्रोत्साहन वितरण व आमसभा में कही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोटा सरस डेयरी चेयरमैन चैन सिंह राठौड़ ने की।

सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना: मुख्य अतिथ अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ ने पशुपालको को राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना से किसान परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान प्राप्त करने की अपील की। उन्होने बताया कि योजना के तहत किसानों को एक लाख रुपये तक का अल्पकालीन ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा, जिसकी अवधि एक वर्ष की होगी।

योजना का उद्देश्य: गोपालक किसान परिवारों को अक्सर गाय, भैंस के लिए शेड, खेली निर्माण और चारा–बांट सहित आवश्यक उपकरण खरीदने में पैसों की कमी का सामना करना पड़ता है। इस कारण वे गोपालन से मिलने वाले पूरे लाभ को प्राप्त नहीं कर पाते। इसे ध्यान में रखते हुए,डबल इंजन की सरकार ने किसानों को ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। ऋण का समय पर भुगतान करने पर किसानों को किसी प्रकार का ब्याज नहीं देना होगा।

संघ की योजनाओ का लाभ: राठौड़ ने कहा कि संघ राज्य सरकार से अनुदानित कुट्टी मशीने, पशु आहार, पशु चारे हेतु मुफ्त बीज उपलब्ध करवाना हो या नस्ल सुधार हेतु मुर्रा नस्ल का भैंसा व गिर नस्ल का बछड़ा दुग्ध समितियों को अनुदान कर पशुपालको को लाभांवित किया जाएगा। ज्यादा दूध देने वाली समिती को बीएमसी की सौगात भी मिलेगी।

इन समितियो को जांचा: अपने बूंदी दौरे पर राठौड ने बूंदी रूट की समितियो अरनेठा, बोरदामाल, अजंदा, हिगोनिया, साठ गांव, गर्गनी आदि दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियो का निरिक्षण किया जहां समिति सचिव व पदाधिकारियों ने मनोज सिंह , सुरेश गोचर, रघुन्नदन सोनी, हरिओम हरगोविंद, रमेश मार्ग निरक्षक कन्हैया लाल गुर्जर ने माला पहनाकर स्वागत किया।

पारितोषिक वितरण: काली तलाई दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति अध्यक्ष शांति बाई ने बताया कि समिति की आमसभा व पारितोषिक वितरण समारोह में 70 से अधिक लोग उपस्थित रहे। उन्होने अध्यक्ष राठौड ने स्टील केटली देकर प्रोत्साहित किया। समिति के सचिव शंकर लाल ने आय–व्यय का ब्यौरा पडा।

संस्कृत भारती के श्रीमद्भगवद्गीता शिक्षण केन्द्र का हुआ शुभारंभ

बांसवाड़ा, 7 अक्टूबर। गायत्री मण्डल द्वारा संचालित श्री पीताम्बरा आश्रम में संस्कृत भारती बांसवाड़ा विभाग की चित्तौड़ प्रान्त इकाई द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता शिक्षण केन्द्र का शुभारंभ समारोह आध्यात्मिक चिन्तक संत श्री रघुवीरदास महाराज की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

इसमें अतिथियों के रूप में भारतमाता मन्दिर परियोजना प्रमुख धर्मराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह कन्हैयालाल यादव एवं बांसवाड़ा गौशाला के संचालक पं. भुवनमुकुन्द पण्ड्या उपस्थित थे। अधिकांश वक्ताओं द्वारा दैव वाणी संस्कृत में दिए गए धाराप्रवाह उद्बोधनों ने सभी को अभिभूत कर दिया।

गीता के उपदेशों को आत्मसात करें: संत श्री रघुवीरदासजी महाराज ने मंत्रोच्चारण एवं भगवन्नाम संकीर्तन से शिक्षण केन्द्र का शुभारंभ करने के उपरान्त अपने उद्बोधन में श्रीमद्भगवद्गीता को जीवन और जगत के आदर्श व्यवहार से लेकर लौकिक एवं पारलौकिक लक्ष्यों और शाश्वत आनन्द के साथ परमात्मा की प्राप्ति की दिशा में कालजयी मार्गदर्शक बताया और इसे आत्मसात करने का आह्वान किया।

जीवन और जगत निर्वाह की मार्गदर्शक है गीता: समारोह के सारस्वत अतिथि सामाजिक चिन्तक धर्मराज ने भारतीय संस्कृति, संस्कारों और समाज जीवन के आदर्शों पर चर्चा करते हुए कहा कि गीता वैयक्तिक, पारिवारिक और समाज जीवन से जुड़े आदर्श आचारों की शिक्षा देती है और इससे समाजोन्मुखी और राष्ट्रीय चरित्र के लक्ष्यों का साक्षात्कार अवश्यम्भावी है।

संस्कृति उत्थान में आगे आएं: विशिष्ट अतिथि भुवन मुकुन्द पण्ड्या एवं कन्हैयालाल यादव ने संस्कृत, संस्कृति और संस्कारों को सर्वोपरि बताया और कहा कि इसके लिए सामूहिक प्रयासों में सभी को

भागीदारी निभाने की आवश्यकता है।

उन्होंने संस्कृत भारती द्वारा प्रति शनिवार को श्रीमद्भगवद्गीता के ऑनलाईन शिक्षण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसमें अधिकाधिक सहभागी बनने का आह्वान किया।

समारोह में प्रीति पण्ड्या ने सुमधुर संस्कृत गीत प्रस्तुत किया। नन्हीं बालिका नियुक्ति व्यास ने संस्कृत में गीता सार और श्लोक प्रस्तुत कर खूब प्रशंसा पायी। संचालन सह संयोजक खुश व्यास ने किया।

शिक्षण केन्द्र शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संस्कृत भारती के प्रान्त मंत्री डॉ. परमानन्द शर्मा, प्रान्त शिक्षण प्रमुख प्रदीप भट्ट, विभाग संयोजक भरत शर्मा, कार्यक्रम संयोजक लोकेश जैन, सागवाड़ा क्षेत्रीय संयोजक हर्षद ठक्कर आदि अतिथिगण वर्चुअल रूप से जुड़े।

गायत्री मण्डल द्वारा अभिनन्दन: इस अवसर पर गायत्री मण्डल की ओर से उपाध्यक्ष अनिमेष पुरोहित, सचिव विनोद शुक्ल, सह सचिव सुभाष भट्ट, कार्यकारिणी सदस्य अनन्त जोशी, मनोहर जोशी, द्रोमिल त्रिवेदी एवं चन्द्रेश व्यास ने सभी अतिथियों को पुष्पहार व उपरणा पहनाकर तथा शॉल ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। आयोजन निर्देशक डॉ. राजेश जोशी एवं सह संयोजक खुश व्यास को सम्मानित किया गया।

सामूहिक गीता श्लोकोच्चारण: समारोह में बांसवाड़ा आकाशवाणी केन्द्र के निदेशक महेन्द्रकुमार मीणा, प्रवीण त्रिवेदी, मोहनदास वैष्णव, भूदेव भट्ट, सुरेश शुक्ला, सुशील त्रिवेदी, सुधीर चौबीसा, गिरीश जोशी, अनिल पण्ड्या, पुष्पा व्यास, प्रदीप सोनी 'बंटी', नीना पुरोहित, विधि व्यास, मंजुला शुक्ला सहित गायत्री मण्डल के पदाधिकारियों, श्री पीताम्बरा आश्रम के साधक–साधिकाओं एवं गीता स्वाध्यायियों ने गीता श्लोकों का समवेत स्वरों में गान करते हुए श्रृद्धाधाराएं बहा दीं।

ऑनलाईन गीता शिक्षण में विभिन्न स्थानों से संस्कृतप्रेमियों महेश पंचाल, पीयूष रावल, सुशील शर्मा, अभिषेक जानी, राहुल अग्रावत, महेन्द्र शुक्ला, नीता पवन पाठक, कीर्ति, डॉ. विनोद, दीपक रावल, पवन शर्मा एवं आशुतोष शर्मा (कोटा)सहित बड़ी संख्या में संभागियों ने हिस्सा लिया।

दो दिवसीय सिन्धु डांडिया 2024 – 'मौज'

रंगारंग शुभारंभ, पुरस्कार पाकर खिल उठे चेहरे

कोटा, 7 अक्टूबर। सिन्धु सोशल सर्किल की ओर से सिन्धु महिला सर्किल और सिन्धु यूथ सर्किल के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय सिन्धु डांडिया 2024– 'मौज' (तरंग साज और आवाज की) का शुभारंभ फाइव फ्लावर्स अनंता इलीट के प्रांगण में हुआ।

डांडिया महोत्सव में 4 से 14 वर्ष,15 से अधिक अविवाहित, 18 वर्ष के ऊपर के सभी युवाओं और विवाहित जोड़ो के लिए डांडिया नृत्य प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई, जिसमें 60 पुरस्कार दिए गए जिनको पाकर विजेताओं के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम का शुभारंभ माता की आरती से हुआ इसके बाद वेन्यू पार्टनर राजकुमार भाटिया, सनी भाटिया, गिरीश भाटिया, कशिश भाटिया, अमीषा भाटिया और हीर भाटिया को सम्मानित किया गया।

विजेताओं को संरक्षक किशोर मदनानी, अद्यक्ष कमल सपरा, सचिव राजेश ग्वालानी, डांडिया चेयरमैन अशोक झमटानी, सांस्कृतिक सचिव किशन रतनानी, पी डी प्रकाश वीर नाथानी, अशोक आहूजा, सिंधु महिला सर्कल पी डी पूनम रतनानी, सह पी डी रीटा अजवानी, सिंधु यूथ सर्कल पी डी विजय झमटानी, डांडिया कोषाध्यक्ष मनोहर दायानी, सिन्धु महिला सर्किल सलाहकार भागवंती खूबचंदानी, अद्यक्षा नीतू वनवानी, सचिव निर्मला अहुजा, रमेश आहूजा बंसीलाल साधवानी ने पुरस्कृत किया।

निर्णायक नीता पारीक और पिंकी बागरेचा, सिंधी पंचायत स्टेशन के संरक्षक हरीश जगवानी और सांस्कृतिक सचिव नरेश कारा को भी सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक सचिव किशन रतनानी ने बताया कि पारंपरिक डांडिया नृत्य के साथ–साथ सिन्धी लोक नृत्य छेज को भी शामिल किया गया।

नेशनल डिसएब्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप 15 से

उदयपुर, 7 अक्टूबर। नारायण सेवा संस्थान एवं डीसीसीआई के तत्वावधान में दिनांक 15 से 25 अक्टूबर तक नेशनल डिसएब्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन उदयपुर में होगा। जिसमें विभिन्न राज्यों की टीमें हिस्सा लेगी। प्रतियोगिता की सम्पूर्ण व्यवस्था नारायण सेवा संस्थान द्वारा की जाएगी। यह जानकारी नारायण सेवा के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने दी।

उन्होंने बताया कि तीसरी क्रिकेट प्रतियोगिता भी संस्थान के सहयोग से आयोजित हुई थी। पिछले वर्ष की तरह दिव्यांगों को खेलों से जोड़ते हुए मंच प्रदान करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता की जा रही है। उल्लेखनीय है कि नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगों के लिए समय–समय पर स्विमिंग चैंपियनशिप, व्हीलचेयर चैंपियनशिप और ब्लाइंड क्रिकेट चैंपियनशिप जैसे कई आयोजन कर चुका है।

माहेश्वरी नवोदित मण्डल का डांडिया महोत्सव

कोटा, 7 अक्टूबर। माहेश्वरी नवोदिता मंडल की ओर डांडिया नवोत्सव का आगाज हर्षोउल्लस के साथ श्रीनाथपुरम स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में किया गया। मण्डल की अध्यक्ष उत्कर्षा लखोटिया व सचिव वैशाली खुवाल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य अतिथि माननीय अ.भा.माहे.महासभा के पश्चिमांचल के उपसभापति राजेश कृष्ण बिरला रहे उन्होने दीप प्रज्जोलित कर नवोत्सव–2024 का शुभारंभ किया। माहेश्वरी समाज के डांडिया रास में देर रात तक डांडिये खटखटाते रहे।संरक्षिका अंजना शारदा, पूजा मालपानी, सुनीता मुंदड़ा ने बताया कि नवोदिता मण्डल की सदस्य ने बहुत सुंदर गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी और 50 वर्ष से ऊपर की उम्र की माहेश्वरी महिलाओं का डांडिया रास विशेष आकर्षण रहा बच्चो, महिलाओं, पुरूषो सहित कई राउण्ड आयोजित किए और विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि नागरिक बैंक के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने अपने उद्बोधन मे कहा कि शारदीय नवरात्री पर्व की महिमा को बताते हुए कहा कि है यह पर्व मां शक्ति की आराधना का एक महत्वपूर्ण समय है। उन्होने सभी को नवरात्री मंगलकानाए देते हुए देश की सुख व शांति की कामना की। शारदीय नवरात्रि के दौरान व्रत,

भजन, आरती, देवी स्तुति और गरबा जैसे सांस्कृतिक व आध्यात्मिक परम्परा का हिस्सा है। अ.भा.माहे.महिला मण्डल की उपसभापति मधु बाहेती ने नवोदिता के प्रयासो की सरहाना की और बताया कि 30 वर्षो से उत्सव लगातार मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन निशा धूत व सोनिका दरक ने किया और जज की भूमिका में स्वाति भाटिया, सोमेश मेहरा, रुचि भाटिया दिखी उन्होंने नृत्य व वेशभूषा के आधार पर प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

गरबे की मस्ती में झूमा समाज: नवोदित मंडल की कोषाध्यक्ष मुस्कान पनवाड़ ने बताया कि शनिवार को पहले दिन 05 अक्टूबर को रास के दौरान महिलाएं सतरंगी थीम के अनुसार सतरंगी लहंगा विद थ्रैड ज्वेलरी एवं सतरंगी शेड के कुर्ते पायजामे की थीम पर पुरूष वर्ग तैयार होकर कार्यक्रम में पहुंचे।'प्रोप राउण्ड और प्रोप्स म्यूजिकल इंस्ट्रूमेन्ट राउण्ड में डांडिया में महिला व पुरूषो ने जमकर नृत्य किया। एमपीएस परिसर में देर रात तक गरबे की धूम मची रही।

यह रहे उपस्थित: कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के मंत्री बिठ्लदास मूंदडा, अ.भा.महा.महिला संगठन की निर्वतमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, अ.भा.महिला मण्डल की उपसभापति मधु बाहेती, पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष महेश चंद अजमेरा सचिव आन्नद राठी, उपाध्यक्ष जिला, अध्यक्ष महिला भारती डागा, माहेश्वरी समाज कोषाध्यक्ष राजेन्द्र शारदा,माहेश्वरी पंचायत के मंत्री रामचरण धूत, माहेश्वरी सेवा संस्थान नया कोटा के अध्यक्ष प्रमोद कुमार भण्डारी व सचिव दामोदर मूंदडा, कोटा जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सुरेशचंद्र काबरा मंत्री ओम प्रकाश गट्टानी, भगवान बिरला, आशीष बिरला, प्रियंक–करिश्मा, महिला मण्डल अध्यक्ष प्रीति राठी व सचिव सरिता मोहता, संगीता काबारा, नवोदित मंडल की अध्यक्ष उत्कर्षा लखोटिया, सचिव वैशाली खुवाल, कोषाध्यक्ष मुस्कान पनवाड़, सरंक्षिका अंजना शारदा,सुनिता मूंदडा आदि उपस्थित रहे।

दाधिच समाज में उमंग और उल्लास का डांडिया महोत्सव

कोटा, एजेंसी। श्री महर्षि दधीचि छात्रावास समिति द्वारा आयोजित डांडिया महोत्सव ने दाधीच बंधुओ को संगीत से सराबोर कर दिया। रविंद्र जोशी ने बताया कि इस उत्सव में मुख्य अतिथि विधायक संदीप शर्मा ने अपने उद्बोधन से समारोह की शोभा बढ़ाई। विधायक शर्मा ने कहा, यह महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध परंपराओं और नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक है। आज की नारी शिक्षा, व्यवसाय और समाज सेवा में अग्रणी है। मंत्री निमेष पुरोहित ने बताया कि गरबा गीतों की धुन पर सैकड़ों प्रतिभागियों ने डांडिया की छड़ियाँ थाम लीं। रंग–बिरंगी पोशाकों में सजे लोगों ने धोलिडा धोलिडा ढोल बाजे,पंखिड़ा तु उड़ ने जाना पावागढ़ रे, और चोगाड़ा तारा जैसे लोकप्रिय गीतों पर थिरकते हुए वातावरण को उत्साह से भर दिया। विभिन्न आयु वर्गों की प्रतियोगिताओं ने कार्यक्रम में रोमांच भर दिया। 3 वर्ष की छोटी बच्ची से लेकर 70 वर्षीय दादी तक, सभी ने अपनी ऊर्जा और उत्साह से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

युगल जोड़ी प्रतियोगिता में युवा दंपतियों की तालबद्ध प्रस्तुति ने सबका दिल जीत लिया। मुख्य सलाहकार नागेश दाधीच ने बताया कि वाली डांडिया प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के लिए अलग–अलग श्रेणियाँ होंगी, जिसमें 3–10 वर्ष, 11–20 वर्ष, 21–40 वर्ष, और 41 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के साथ–साथ पुरुष वर्ग और श्रेष्ठ जोड़ी की श्रेणियाँ शामिल हैं।

16 कोच की नवनिर्मित वन्देभारत मेट्रो ट्रेन का 145 किमी/घंटा की रफ़्तार से कोटा में सफल ट्रायल

कोटा, 7 अक्टूबर। अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन लखनऊ टीम मंडल के परिचालन विभाग के सहयोग से कोटा मंडल में 16 कोच की नवनिर्मित वन्देभारत मेट्रो रेक का ट्रायल किया जा रहा है। पूर्व में भी कोटा मंडल में ही वन्देभारत 18 एवं 20 कोच रेक का 180 किमी प्रति घंटा पर सफल ट्रायल किया गया था। इस मेट्रो रेक का 05 अक्टूबर को अप दिशा में कोटा से महिदपुर रोड स्टेशन एवं डाउन दिशा में महिदपुर रोड़ से शामगढ़ स्टेशन के मध्य दो फेरे लगाकर अलग–अलग गति पर अधिकतम 145 किमी प्रति घंटा की गति से परीक्षण विभिन्न तकनीकी मानकों के विश्लेषण के लिए किया गया।

इस परीक्षण के दौरान सभी कोचों में समान रूप से यात्रियों के भार के बराबर वजन के बराबर 24.7 टन वजन रख कर लोडेड स्थिति में परीक्षण किया गया। ट्रायल के दौरान करीब 50 किलोमीटर तक गाड़ी को 145 किमी प्रति घंटा पर दौड़ाया गया। रविवार को रेक में इंस्ट्रूमेंटेशन कार्य किया जाएगा। आगामी करीब 15 दिन इस रेक का स्पीड, ब्रेकिंग सिस्टम का परीक्षण किया जाएगा।

इस रैक का ट्रायल आरडीएसओ के निर्देशक परीक्षण बी एम सिद्दकी के निर्देशन में किया जा रहा है। इस ट्रायल में कोटा के ट्रैफिक निरीक्षक अरविंद पाठक एवं लोको निरिक्षक आर एन मीना ने लखनऊ टीम के साथ को–आर्डिनेट किया।

डीआरएम ने रेलवे अस्पताल में नवीनीकृत्त इमरजेंसी वार्ड एवं परिवार कल्याण विभाग का किया उद्घाटन

कोटा, 7 अक्टूबर। मंडल रेलवे चिकित्सालय कोटा में दिनाँक 05 अक्टूबर को नवीनीकृत्त आपातकालीन कक्ष एवं परिवार

कल्याण विभाग का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी के द्वारा एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक आर आर के सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुपर्णा सेन रॉय तथा समस्त शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा मंडल रेल चिकित्सालय कोटा एवं रामदुलारी जिदल मेमोरियल एण्ड हेल्थ केयर सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में नर्सिंग इमरजेन्सी केयर ट्रेनिगं प्रोगाम की ट्रेनिगं सफलता पूर्वक करने पर पैरा मेडिकल स्टाफ को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। इसी क्रम में सहायक नर्सिगं अधिकारी लता के जॉर्ज के निर्देशन में एक लघु नाटिका रेल चिकित्सालय एवं आपातकाल का मंचन भी किया गया। साथ ही डीआरएम ने एम्प्लाइज ऑफ द मंथ को भी सम्मानित किया।

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ जन्मोत्सव कार्यक्रम

खाजूवाला, 7 अक्टूबर। ग्राम पंचायत जामसर में बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना के तहत तथा अन्तर्राष्ट्रीय बालिका सप्ताह के तहत बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम किया गया। महिला अधिकारिता विभाग की प्राचेता विजय लक्ष्मी जोशी ने बताया कि कार्यक्रम में 55 महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लिया।

चार बटियों की माताओं व बच्चियों को तिलक लगाकर, चुनरी ओढाकर, माला पहनाकर बेबी किट देकर सम्मानित किया गया। महिलाओं द्वारा बेटियों के सम्मान में गीत गाए गए। बच्चियों द्वारा बर्थ डे केट कटवाने के बाद बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना की जानकारी देकर बेटियों को आगे बढने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महिला अधिकारिता की गीता देवी, कार्यकर्ता खनादेवी, कमला देवी व सहायिका लता देवी सहित अन्य महिलाएं मौजूद रही।

आज का दिन

आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी, विक्रम सं. 2081, शक संवत् 1946, हिजरी 1446, तदनुसार अंग्रेजी दिनांक 7 अक्टूबर, सन् 2024 ईस्वी। वार- सोमवार, सूर्य-दक्षिणायण, ऋतु-शरद

सम्पादकीय

नशे के कारोबार से बढ़ती देश की सुरक्षा एजेंसियों की चिंता

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने 562 किलो कोकेन पकड़ी, जो अब तक की सबसे बड़ी जब्ती है, जिसकी कीमत 6.5 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह घटना कोकेन के इंटरनैशनल कार्टेल की मौजूदगी और उसके तंत्र की सक्रियता को दर्शाती है। इनके निशाने पर दिल्ली, मुंबई और गोवा के म्यूजिक कंसर्ट थे। हालांकि उसकी यह कामयाबी उसी अनुपात में चिंता भी जगाती है क्योंकि इससे पता चलता है कि इंटरनैशनल नेटवर्किंग के जरिए यह जहर न केवल भारत में लाया जा रहा है बल्कि इसे समाज के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाया भी जा रहा है। दिल्ली पुलिस की यह जब्ती सबसे पहले तो अपनी विशाल मात्रा की वजह से ही ध्यान खींचती है। 6.5 हजार करोड़ रुपए मूल्य की यह खेप दिल्ली में अब तक पकड़ी गई कोकेन की सबसे बड़ी मात्रा बताई जा रही है। मगर यह हाल के दिनों की इकलौती जब्ती नहीं है। कुछ समय पहले ही दिल्ली एयरपोर्ट पर 6 किलो ग्रेड ए कोकेन बरामद की गई थी। 2022 में मुंद्रा पोर्ट पर 500 करोड़ रुपये की 56 किलो कोकेन बरामद हुई थी। 2021 में तमिलनाडु के तूतीकोरिन पोर्ट पर 300 किलो कोकेन पकड़ी गई थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 2000 करोड़ रुपये आंकी गई थी। साफ है कि भारत में कोकेन पहुंचाने का काम धड़ल्ले से चल रहा है। बुधवार की पुलिस कार्रवाई से सामने आए तथ्य भी बताते हैं कि कोकेन का इंटरनैशनल कार्टेल सुनियोजित ढंग से भारत में कोकेन पहुंचा रहा है। इसका पूरा तंत्र बना हुआ है जो काम भी कर रहा है। प्लानिंग, कम्युनिकेशन, डिलिवरी और पेमेंट- सबका पूरा सिस्टम बना हुआ है। बताया जा रहा है कि ये कोकेन दिल्ली, मुंबई और गोवा में अगले कुछ महीनों में होने वाले म्यूजिक कंसर्ट को ध्यान में रखते हुए लाई गई थी। नशे के इन सौदागरों की नजर में ये कंसर्ट ड्रग्स की खपत बढ़ाने का जरिया हैं। अच्छी बात यह है कि पुलिस इस मामले के अंतरराष्ट्रीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ रही है। कोकेन कारोबार ग्लोबल नेटवर्किंग के जरिए ही फलता-फूलता है। इसे तैयार करने वाले कोका प्लांट मुख्यतया तीन लैटिन अमेरिकी देशों- पेरू, बोलीविया और कोलंबिया में हैं। वहां से शिपमेंट के जरिए लंबे-चौड़े समुद्री मार्ग से इसे दुनिया भर में भेजा जाता है। दिल्ली में पकड़ी गई ताजा खेप भी पनामा रूट से इथियोपिया और दुबई होते हुए दिल्ली भेजी गई थी। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस मामले में पुलिस की तत्परता और कुशलता काबिले तारीफ है। लेकिन ड्रग्स की चुनौती से निपटने के लिए यह काफी नहीं। समझना होगा कि इसके प्रॉडक्शन और डिमांड को खत्म किए बगैर सप्लाई के फ्लो को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है। जाहिर है, सरकार और समाज को मिल-जुलकर एक लंबी लड़ाई के लिए कमर कसनी होगी।

विदेशी अखबारों से

कमला हैरिस के भाषणों में भी जिक्र नहीं दरकिनार करने से निराश हुए बाइडेन

संयुक्त राज्य अमेरिका में 5 नवंबर को होने वाले 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। सबसे बड़ा घटनाक्रम राष्ट्रपति जो बाइडेन का बैकआउट किआ जाना है। न्यूज के अनुसार, बिडेन इस बात से नाराज हैं कि अमेरिकी राजनीति में दशकों बिताने के बावजूद वह अब राष्ट्रीय बातचीत का हिस्सा नहीं हैं। मामले से परिचित एनबीसी न्यूज को बताया कि बिडेन राजनीतिक चर्चा में अपनी उपस्थिति की कमी से निराश हो गए हैं। अमेरिकी डिबेट में अब कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रम्प की ही बात होती है। बाइडेन विशेष रूप से इस बात से नाराज हैं कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस जिनका नाम खुद उन्होंने आगे बढ़ाया था। लेकिन हैरिस अपने भाषणों में उनका उल्लेख नहीं कर रही हैं। खासकर जब यह अर्थव्यवस्था के बारे में है, जो बिडेन का मानना है कि अपने प्रयासों और नीतियों के कारण सही रास्ते पर हैं। बाइडेन ने जुलाई में अपने प्रतिद्वंद्वी और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ बहस में पिछड़ने के बाद छोड़ दी। अपनी हताशा के बावजूद, सूत्रों ने एनबीसी न्यूज को बताया कि बाइडेन हैरिस की जीत के लिए उत्सुक हैं। उनका मानना है कि यह विकास उनकी विरासत और देश के लिए अच्छा होगा। और वह हर संभव तरीके से मदद करने की योजना बना रहा है। एनबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में राष्ट्रपति पद का नामांकन प्राप्त करने के बाद, हैरिस ने चुनाव प्रचार के दौरान नियमित रूप से बिडेन का उल्लेख किया।

प्रेरक प्रसंग

उत्तरदायी व्यक्ति

एक राजा को अपने दरबार के किसी उत्तरदायित्वपूर्ण पद के लिए योग्य और विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश थी। उसने अपने आस-पास के युवकों को परखना शुरू किया। लेकिन वह किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाया। तभी एक महात्मा का पदार्पण हुआ, जो इसी तरह यदा-कदा अतिथि बनकर सम्मानित हुआ करते थे। युवा राजा ने वयोवृद्ध संन्यासी के सम्मुख अपने मन की बात प्रकट की, मैं तय नहीं कर पा रहा हूं। अनेक लोगों पर मैंने विचार किया। अब मेरी दृष्टि में दो हैं, इन्हीं दोनों में से एक को रखना चाहता हूं। कौन हैं ये दोनों? एक तो राज परिवार से ही संबंधित हैं, पर दूसरा बाहर का है। उसका पिता पहले हमारा सेवक हुआ करता था, उसका देहांत हो गया है। उसका यह बेटा पढ़ा-लिखा सुयोग्य है। और राज परिवार से संबंधित युवक? उसकी योग्यता मामूली है। आपका मन किसके पक्ष में है? मेरे मन में द्वंद्व है, स्वामी! किस बात को लेकर? राज परिवार का रिश्तेदार कम योग्य होने पर भी अपना है, और... राजन! रोग शरीर में उपजता है तो वह भी अपना ही होता है, पर उसका उपचार जंगलों और पहाड़ों पर उगने वाली जड़ी-बूटियों से किया जाता है। ये चीजें अपनी नहीं होकर भी हितकर होती हैं। राजा की आंखों के आगे से धुंध छंट गई। उसने निरपेक्ष होकर सही आदमी को चुन लिया।

भाजपा-कांग्रेस दोनों के लिए महत्वपूर्ण है हरियाणा चुनाव

नीरज कुमार दुबे

भाजपा नेतृत्व को जब यह लगा कि खट्टर का नाम नुकसान पहुंचा रहा है तो पूरे चुनाव प्रचार अभियान से खट्टर का नाम और उनकी तस्वीर गायब कर दी गयी। हमने पाया कि भाजपा की हर चुनावी रैली अथवा जनसभाओं के दौरान मंच पर या उसके आसपास लगने वाले पोस्टरों, बैनरों और होर्डिंगों में खट्टर का नाम और तस्वीर नहीं थी। यही नहीं हरियाणा सरकार की जिन उपलब्धियों के सहारे भाजपा ने चुनाव लड़ा उसमें भी खट्टर की तस्वीर नहीं लगायी गयी। भाजपा ने साधारण लोगों की तस्वीरों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार सामग्री में किया। जैसे युवाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि बिना खर्ची पर्ची नौकरी दी गयी। किसानों की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि 24 फसलों का एमएसपी दे रही हरियाणा सरकार, महिलाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि तमाम योजनाओं का लाभ दे रही भाजपा सरकार।

इसमें कोई दो राय नहीं कि खट्टर से छुटकारा पाकर भाजपा ने हरियाणा में खुद को मुश्किल स्थिति से उबारने में सफलता पाई है। ऐसा लगता है कि यदि भाजपा ने मार्च में खट्टर को हटाने का फैसला नहीं लिया होता तो आज वह चुनावी मुकाबले से पूरी तरह बाहर हो चुकी होती। हरियाणा में लगभग सवा नौ साल तक मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ उपजी नाराजगी को भांप कर भाजपा नेतृत्व ने इस साल मार्च में उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। खट्टर को लोकसभा चुनाव लड़वा कर और केंद्रीय मंत्री पद सौंप कर दिल्ली की राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया गया लेकिन खट्टर का मन हरियाणा में लगा रहा। भाजपा नेतृत्व को जब यह लगा कि खट्टर का नाम नुकसान पहुंचा रहा है तो पूरे चुनाव प्रचार अभियान से खट्टर का नाम और उनकी तस्वीर गायब कर दी गयी। हमने पाया कि भाजपा की हर चुनावी रैली अथवा जनसभाओं के दौरान मंच पर या उसके आसपास लगने वाले पोस्टरों, बैनरों और होर्डिंगों में खट्टर का नाम और तस्वीर नहीं थी। यही नहीं हरियाणा सरकार की जिन उपलब्धियों के सहारे भाजपा ने चुनाव लड़ा उसमें भी खट्टर की तस्वीर नहीं लगायी गयी। भाजपा ने साधारण लोगों की तस्वीरों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार सामग्री में किया। जैसे युवाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि बिना खर्ची पर्ची नौकरी दी गयी। किसानों की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि 24 फसलों का एमएसपी दे रही हरियाणा सरकार, महिलाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि तमाम योजनाओं का लाभ दे रही भाजपा सरकार। इसी प्रकार अन्य उपलब्धियों का बखान करते हुए भी प्रचार सामग्री तैयार करवायी गयी जिसमें आम लोगों की तस्वीरें प्रकाशित की गई थी।

इसमें कोई दो राय नहीं कि खट्टर से छुटकारा पाकर भाजपा ने हरियाणा में खुद को मुश्किल स्थिति से उबारने में सफलता पाई है। ऐसा लगता है कि यदि भाजपा ने मार्च में खट्टर को हटाने का फैसला नहीं लिया होता तो आज वह चुनावी मुकाबले से पूरी तरह बाहर हो चुकी होती। खट्टर से व्यक्तिगत रूप से लोगों की नाराजगी भाजपा को चुनावों में उसी तरह नुकसान पहुंचा सकती थी जैसे कि राजस्थान विधानसभा के 2018 के चुनावों में देखने को मिला था जब नारे लग रहे थे कि मोदी तुझसे बैर नहीं, वसुंधरा तेरी खैर नहीं। हमसे बातचीत में भाजपा के भी कई समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने माना कि यदि खट्टर को हटाने का फैसला एक साल पहले लिया गया होता तो लोकसभा चुनावों में भी हम सारी सीटें जीत सकते थे। इसके अलावा, 15 दिनों पहले जब हमने हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार की कवरेज की शुरुआत की थी उस समय सब जगह कांग्रेस की हवा ही दिख रही थी लेकिन एक एक दिन बीतने के साथ यह हवा हमें धीमी पड़ती दिखी और अब जब चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है तो कहा जा सकता है कि हवा किसी एक के पक्ष में नहीं है बल्कि कांटे का मुकाबला देखने को मिल सकता है। हरियाणा चुनाव के दौरान मुझे दिल्ली नगर निगम का पिछला चुनाव इसलिए याद आ गया क्योंकि उसमें भाजपा का सूपड़ा साफ होने की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब परिणाम आये तो पार्टी नजदीकी मुकाबले में आम आदमी पार्टी से सिर्फ कुछ सीटों से पिछड़ गई थी। हरियाणा चुनावों में भी जमीनी स्थिति कुछ ऐसी ही दिखी। ऐसा लगता है कि भाजपा को जब इस बात का अहसास हुआ कि वह चुनाव में कांग्रेस से बहुत ज्यादा पीछे नहीं है तो उसने पिछले 10 दिनों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चार जनसभाएं कराई गयीं और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत तमाम मुख्यमंत्रियों को चुनाव प्रचार में उतार दिया गया। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने 70 से ज्यादा रैलियां और जनसभाएं कीं। जवाब में भाजपा ने 150 सभाएं और रैलियां कर माहौल को पूरी तरह बदल दिया।

हरियाणा में कांग्रेस ने जमीन तक इस बात को पहुँचाने में सफलता हासिल कर ली थी कि कांग्रेस आ रही है, भाजपा जा रही है। भाजपा ने इस हवा की चाल को धीमा करने के लिए परिवारवाद को मुद्दा बनाया और भूपिंदर सिंह हुड्डा के पिछले शासन की याद दिलाई जिससे माहौल बदलने लगा। भाजपा ने जनता के बीच इस धारणा को मजबूत किया कि अगर कांग्रेस आई तो निश्चित रूप से हुड्डा को कमान सौंपी जाएगी। कांग्रेस नेतृत्व ने भी बार-बार हुड्डा को ही कमान सौंपने के संकेत दिये जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होता दिखा क्योंकि हुड्डा को अपने पिछले कार्यकाल में सिर्फ रोहतक का सीएम माना जाता था और उन पर अपने आलाकमान को खुश रखने के लिए प्रदेश के संसाधनों का दुरुपयोग करने के आरोप भी हैं। कई क्षेत्रों के लोगों का मानना है कि हुड्डा ने सिर्फ रोहतक में काम किया जिससे वहां की जमीनों के रेट ज्यादा हैं और उनके इलाके की जमीनों का रेट बहुत कम है।

इसके अलावा भाजपा ने जिस एकजुटता और रणनीति के साथ हरियाणा में काम किया उससे पार्टी मुकाबले में तेजी से वापसी करती दिखी। रैलियों, सभाओं और डोर टू डोर हुए प्रचार के बाद मिल रहे फीडबैक से भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा और इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए पार्टी ने कोई कसर नहीं छोड़ी इसलिए 3 अक्टूबर शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थमने तक भाजपा के प्रदेश के बड़े नेता, दूसरे राज्यों के मंत्री और मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री जनता के बीच लगातार पहुंचकर भाजपा की सरकार तीसरी बार बनाने की अपील करते दिखे। भाजपा की रैलियों पर नजर डालें तो पता चलता है कि पिछले लगभग एक महीने में प्रमुख नेताओं की 150 से अधिक जनसभाएं हुईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं ने रैलियों और रोड शो के माध्यम से अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और कांग्रेस को अनेक मुद्दों पर सफलतापूर्वक घेरा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तो एक दिन में 4 से 5 बड़ी रैलियां कीं। भाजपा के लिए हरियाणा में सघन प्रचार करने वालों में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आदि शामिल रहे। हरियाणा भर में कोई शहर या गांव ना छूटे इसके लिए विभिन्न प्रदेशों के प्रवासी नेताओं और कार्यकर्ताओं की ड्यूटी भी लगायी गयी ताकि भाजपा की उपलब्धियों और पार्टी के संकल्प पत्र में किये गये वादों को जन-जन तक पहुँचाया जा सके। इसके अलावा भाजपा की सोशल मीडिया टीम ने विपक्षी नेताओं और उम्मीदवारों के प्रचार और उनके संबोधनों पर बारीकी से निगाह रखी। यदि किसी विपक्षी नेता ने कोई विवादित बयान दिया तो उसको सोशल मीडिया पर वायरल करवाया गया।

बहरहाल, तमाम प्रयासों के जरिये भाजपा मनोहर लाल खट्टर के प्रति नाराजगी से उबर पाने में तो सफल हुई। देखना होगा कि यह सफलता मतों में परिवर्तित होती है या नहीं? लोकसभा चुनावों के बाद हो रहे हरियाणा चुनाव भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यदि भाजपा अपनी सरकार बचा लेती है तो लोकसभा में स्पष्ट बहुमत पाने से चूकी पार्टी का मनोबल बढ़ जायेगा और यदि कांग्रेस चुनाव जीतती है तो राहुल गांधी का कद और स्वीकार्यता राष्ट्रीय राजनीति में और बढ़ जायेगी।

जलवायु परिवर्तन से विस्थापन की भयावह तस्वीर

प्रकाश श्रीवास्तव

विश्व बैंक की 2021 की ग्राउंड स्वेल रिपोर्ट का अनुमान है कि वर्ष 2050 तक लगभग 216 मिलियन लोगों को अपने देश के भीतर ही आंतरिक प्रवास का सामना करना पड़ेगा। इनमें से ज्यादातर प्रवास उप-सहारा अफ्रीका में होंगे। भारत, बांग्लादेश और चीन जैसे देशों के साथ-साथ दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रों के कई देश भी समुद्र के बढ़ते स्तर की चपेट में आएंगे। बांग्लादेशका 17 फीसद हिस्सा समुद्र का जलस्तर बढ़ने से प्रभावित होगा जिससे बहुत बड़ी आबादी को विस्थापन का दंश झेलना पड़ेगा। वास्तव में, जलवायु संकट और मानव विस्थापन तेजी से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जिस तरह से तेजी से बदलती जलवायु लोगों को दूसरी जगह जाने के लिए मजबूर कर रही है और पहले से ही विस्थापित लोगों के जीवन को कठिन बना रही है, वह स्थिति काफी जटिल है। इससे मिथकों को बढ़ावा मिला है।

जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय आपदाओं के कारण लोग अपनी मूल भूमि से स्थायी या अस्थायी रूप से दूसरी जगहों पर जाने के लिए मजबूर हैं। ऐसे लोगों के लिए 'पर्यावरण शरणार्थी' शब्द का इस्तेमाल किया गया है। 1976 में, लेस्टर ब्राउन ने पहली बार इस शब्द का इस्तेमाल किया था। भारत, चूंकि विभिन्न भौगोलिक विशेषताओं के साथ एक विशाल देश है, देश को भी बड़े पैमाने पर प्रवासन से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2050 तक, भारत को जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप लगभग 45 मिलियन लोगों के प्रवासन की समस्या का सामना करना पड़ेगा। सर्वे में भी सामने आया है कि अत्यधिक गर्मी, सूखा, समुद्र के स्तर में वृद्धि और बाढ़ जैसी मौसम संबंधी आपदाओं के कारण लोग या तो पहले ही दूसरी जगहो पर चुके हैं या जाने पर विचार कर रहे हैं। विश्व बैंक की 2021 की ग्राउंड स्वेल रिपोर्ट का अनुमान है कि वर्ष 2050 तक लगभग 216 मिलियन लोगों को अपने देश के भीतर ही आंतरिक प्रवास का सामना करना पड़ेगा। इनमें से ज्यादातर प्रवास उप-सहारा अफ्रीका में होंगे। भारत, बांग्लादेश और चीन जैसे देशों के साथ-साथ दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रों के कई देश भी समुद्र के बढ़ते स्तर की चपेट में आएंगे। बांग्लादेशका 17 फीसद हिस्सा समुद्र का जलस्तर बढ़ने से प्रभावित होगा जिससे बहुत बड़ी आबादी को विस्थापन का दंश झेलना पड़ेगा। वास्तव में, जलवायु संकट और मानव विस्थापन तेजी से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जिस तरह से तेजी से बदलती जलवायु लोगों को दूसरी जगह जाने के लिए मजबूर कर रही है और पहले से ही विस्थापित लोगों के जीवन को कठिन बना रही है, वह स्थिति काफी जटिल है। इससे मिथकों को बढ़ावा मिला है।

अलग राज्य बनने से पहले उत्तर प्रदेश का हिस्सा रहे उत्तराखंड में हर माह लगभग 45 हेक्टेयर जंगल नष्ट हो रहे हैं! राज्य सरकार की एक हालिया रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। हाल के वर्षों में इस पहाड़ी राज्य में 1,978 हेक्टेयर वनभूमि नष्ट हो गई है। जिस गति से हम वन क्षेत्र खो रहे हैं, उससे यहां के जीवन पर भारी असर पड़ सकता है जबकि इस पहाड़ी राज्य का 71 फीसद हिस्सा जंगल से ढका हुआ है। यह भी सामने आया है कि वर्ष 2002 और 2023 के बीच पेड़ों से आच्छादित 20,700 हेक्टेयर क्षेत्र गायब हो गया है। उत्तराखंड के तीन जिले नैनीताल, उधम सिंह नगर और हरिद्वार में वन क्षेत्र में नकारात्मक वृद्धि है। आंकड़ों पर गौर किया जाए तो उत्तराखंड का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 53,483 वर्ग किमी है जिसमें लगभग 37,999 वर्ग किमी वन भूमि है। एक भयावह तथ्य यह भी इशारा करता है कि आने वाले वर्षों में भी जंगलों के घटने का सिलसिला जारी रहेगा। जिनका जीवन जंगलों पर निर्भर है, वे आजीविका की तलाश दूसरी जगहों पर जाने को मजबूर होंगे। यह स्थिति सिर्फ एक राज्य की ही नहीं है। दुनिया में वन विनाश के मामले में ब्राजील के बाद भारत दूसरे स्थान पर है। मार्च 2023 में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले पांच वर्षों में 6,68,400 हेक्टेयर में फैले जंगल काट दिए गए हैं। पूरी दुनिया की तो तस्वीर और भी भयावह है। सैटेलाइट से लिए गए हमारी पृथ्वी के फोटो निस्संदेह डरावने या असामान्य भावनाएं उत्पन्न करने में सक्षम हैं जिसे मानव इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया था। पहले की फोटो श्रंखलाओं में घने जंगल, बंजर इलाके, चट्टानें या फिर छोटे आकार के शहर नजर आते थे लेकिन अब प्राकृतिक दुनिया का स्थान लगातार मानवीय कारीगरी ले रही है। कोई शक नहीं, मनुष्य ने जो परिवर्तन किए हैं, वह सराहनीय हैं और जीवनयापन आसान हुआ है। उपग्रह के आधुनिक विहंगम दृश्यों से धरती पर महत्वपूर्ण पारिस्थितिक परिवर्तन की जो तस्वीर सामने आती है, उससे गहराते पारिस्थितिक संकट का पता चलता है। प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपभोग से आज विश्व में कई गंभीर पारिस्थितिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

सच्चाई तो यह है कि जलवायु पहले से ही बदल रही है। नासा के गोडार्ड इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस स्टडीज (जीआईएसएस) की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में औसत वैश्विक तापमान 1880 से 1900 के औसत तापमान से लगभग 1.020 सी अधिक था। लेकिन इस ओर कार्रवाई करने में अभी देर नहीं हुई है। वृक्षारोपण परियोजनाओं, अभियानों, आपदा तैयारी प्रयासों और जलवायु प्रभावों के प्रति लचीलापन और अनुकूलन का निर्माण करके हम इसमें सुधार ला सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए भारत की बात की जाए तो भारत ने जलवायु लचीलेपन और अनुकूलन प्रभावों को बढ़ावा देने के लिए जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) और जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय अनुकूलन कोष (एनएफसीसी) जैसे नवाचार शुरू किए हैं। हजारों सालों से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय परिवर्तन इंसान के एक जगह से दूसरी जगह जाने के प्रमुख कारणों में से एक रहा है। मौजूदा समय में, आंतरिक विस्थापन का मुख्य कारण आपदाओं की नई वास्तविकता को सामने लाता है।

अब फिर आते हैं-पेड़ काटे जाने के मुद्दे पर। क्या आपको लगता है कि भारत में पेड़ों को काटा जाना आसान है? जवाब नहीं में आता है, पर कुछ शर्तें भी हैं। भारतीय वन अधिनियम-1927, वन संरक्षण अधिनियम- 1980 हैं, पर इन कानूनों का माफियाओं का कोई असर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट भी पेड़ों की कटाई को लेकर कई बार सख्ती और अधिकारियों को फटकार लगा चुका है। पर वास्तविकता सबके सामने है।

हास्य-व्यंग्य

आलोक पुराणिक

गर्लफ्रेंड्स ट्रेनिंग सेंटर...

क्षमा करें, पीएम मोदी जिन नौजवानों के भरोसे विदेशों से निवेशकों के निमंत्रण भेज रहे हैं, उनके बारे में सारी रिपोर्टें सही नहीं हैं। मोदी अभी अमेरिका में तमाम उद्यमियों को बता कर आये हैं, हमारे यहां नौजवान जनसंख्या है। उनकी डिमांड भी बहुत आयेगी, मोटा मुनाफा आयेगा, इसलिए हे अमेरिकन उद्यमियों इंडिया आकर माल बनाओ, माल बेचो, हमारे नौजवान खरीदेंगे। पर साहब भारत के सारे नौजवान सिर्फ खरीदने का काम नहीं कर रहे हैं। पिछले दिनों लगातार ये खबरें पढ़ीं- गर्लफ्रेंड के चक्कर में युवक ने किसी लड़की का मोबाइल छीन लिया। गर्लफ्रेंड के चक्कर में नौजवान ने किडनैपिंग की। गर्लफ्रेंड के चक्कर में युवक ने रहजनी की। गर्लफ्रेंड ने अपने नौजवान दोस्त को प्रेरित नहीं किया कायदे से कि पहले ढंग से पढ़ लिख लो। फिर कोई नौकरी धंधा कर लेना। फिर जो रकम मिले नौकरी-धंधे से उससे मेरे लिए मोबाइल खरीदना। इस तरह से डिमांड पैदा होती है। यूं उचक्के नौजवान भी डिमांड पैदा कर रहे हैं, जिस लड़की से मोबाइल छीना गया है, वह दोबारा मोबाइल जरुर लेगी। पर यह डिमांड पैदा करने के सही तरीका नहीं है ना। और देश की गर्ल-फ्रेंड्स माफ करो, तुम्हारे बारे में भी सारी खबरें नहीं आ रही हैं। तुम कायदे से अपने दोस्तों-प्रेमियों को प्रेरित नहीं कर पा रही हो। नौजवान तो चलो होते ही नासमझ हैं, पर कुछ तुम्हारा जिम्मा बनता है या नहीं। आप देखें, ऐसी खबर एक भी नहीं आयी कि माता पिता की बीमारी के इलाज के लिए नौजवान से रहजनी की। खबर ये ही है कि गर्लफ्रेंड को विदेश यात्रा कराने के लिए रहजनी कर दी। माता पिता की ना सुन रहे, गुरुओं की नहीं सुन रहे, धर्मग्रंथों की ना सुन रहे। नौजवान सिर्फ गर्लफ्रेंड्स की सुन रहे हैं। गर्लफ्रेंड समझदार हैं, वो किसी की ना सुन रही हैं, सिर्फ सुना रही हैं बायफ्रेंड्स को। हे गर्लफ्रेंड, कुछ कायदे की बातें भी सुना दिया करो। तुम्हारी बहुत सुनी जाती है, इस नौजवान मुल्क में। तुम अपना दायित्व ढंग से समझ क्यों नहीं रही हो। गर्लफ्रेंड का बहुत जलवा है साहब। एक अफसर से मुझे काम कराना था। अफसर ईमानदार थे, क्योंकि वह कोई गलत काम करने की परमीशन नहीं देते थे। रिश्वत वह सिर्फ सही काम करने की लेते थे, ऐसे काम जो नियम के अनुसार होते थे। उनके तीन रेट्स थे एक वह खुद लेते थे। दूसरा रेट उनकी पत्नी लेती थी, वह थोड़ा ज्यादा था। तीसरा रेट उनकी गर्लफ्रेंड का था, गर्लफ्रेंड का का रेट सबसे ज्यादा था और काम होने की पक्की गारंटी गर्लफ्रेंड को रिश्वत देकर हो जाती थी। अफसर सबकी बात टाल सकते थे, गर्लफ्रेंड की नहीं। बरसों पहले ब्रिटेन की राजकुमारी डायना की मृत्यु जब हुई थी,तब वह बतौर गर्लफ्रेंड अपने दोस्त के साथ थीं।

आईएसएल 2024-25 की पहली कोलकाता डर्बी में मोहन बागान सुपर जायंट ने बाजी मारी, मोहम्मडन को हराया

कोलकाता, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन की पहली कोलकाता डर्बी में मोहन बागान सुपर जायंट ने बाजी मारी। मैरिनर्स ने शनिवार को घरेलू मैदान साल्ट लेक स्टेडियम में खेले गए आईएसएल मैचवीक 4 के अंतिम मुकाबले में मोहम्मडन एससी को 3-0 से हरा दिया। मोहन बागान सुपर जायंट की जीत में ऑस्ट्रेलियाई मिडफील्डर जैमी मैक्लेरेन ने आठवें, कप्तान सुभाशीष बोस ने 31वें और स्कॉटिश मिडफील्डर ग्रेग स्टीवर्ट 36वें मिनट में गोल किए। कप्तान सुभाशीष बोस को एक गोल करने और डिफेंस में मजबूती दिखाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

आज मैरिनर्स की शानदार जीत से स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना बेहद प्रसन्न होंगे। मोहन बागान सुपर जायंट ने चार मैचों में दो जीत, एक ड्रा और एक हार से सात अंक लेकर तालिका में दसवें से चौथे स्थान की लंबी छलांग लगाई। वहीं, ब्लैक पैंथर्स की इस हार से रूसी हेड कोच एंड्री चेर्निशोव निश्चित रूप से निराश होंगे। मोहम्मडन स्पोर्टिंग चार मैचों में एक जीत, एक ड्रा और दो हार से चार अंक लेकर तालिका में आठवें से दसवें स्थान पर लुढ़क गई है। मैच का पहला गोल आठवें मिनट में आया, जब ऑस्ट्रेलियाई मिडफील्डर जैमी मैक्लेरेन ने मोहन बागान सुपर जांयट को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। बाएं फ्लैंक पर मिली कॉर्नर किक पर लिस्टन कोलासो ने हवा में गेंद फर्स्ट पोस्ट में पहुंचाई, जहां मौजूद स्कॉटिश मिडफील्डर ग्रेग स्टीवर्ट ने हैडर से गेंद को हल्का सा फ्लिक करके सेकेंड पोस्ट की तरफ दिशा दिखा दी और जैमी ने हैडर करके गेंद को टॉप लेफ्ट कॉर्नर पर गोल जाल में उलझा दिया जबकि मोहम्मडन के गोलकीपर पदम छेत्री के पास बचाव का कोई मौका नहीं था।

31वें मिनट में लेफ्ट-बैक सुभाशीष बोस ने गोल करके मोहन बागान सुपर जांयट की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। अटैकिंग थर्ड पर बायीं तरफ से मिली फ्री-किक पर ग्रेग स्टीवर्ट ने गेंद को बॉक्स अंदर छह गज के खतरनाक इलाके में पहुंचाया, जहां मौजूद सुभाशीष ने नीचे की तरफ हैडर किया और गेंद टिप्पा खाने के बाद गोलकीपर पदम छेत्री के हाथ से लगकर गोल लाइन पार करके बॉटम लेफ्ट कॉर्नर के अंदर चली गई। 36वें मिनट में स्कॉटिश मिडफील्डर ग्रेग स्टीवर्ट ने गोल करके मोहन बागान सुपर जांयट की बढ़त को तिगुना करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। हाफ लाइन पर बायीं तरफ से लेफ्ट-बैक सुभाशीष बोस ने थ्रू-पास अटैकिंग थर्ड पर खेला, जहां मौजूद ग्रेग गेंद लेकर आगे बढ़ गए और फिर ग्राउंडेड राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को बॉटम लेफ्ट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि गोलकीपर पदम छेत्री ने दाहिनी तरफ डाइव जरूर लगाई लेकिन नाकाम रहे।

पहले हाफ में दबदबा पूरी तरह से मोहन बागान सुपर जायंट का रहा, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई मिडफील्डर जैमी मैक्लेरेन, कप्तान सुभाशीष बोस और स्कॉटिश मिडफील्डर ग्रेग स्टीवर्ट के गोल की मदद से बढ़त बनाई और उसे बरकरार रखा। लिहाजा, मैरिनर्स 3-0 की बढ़त के साथ हाफ टाइम ब्रेक पर गए। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण मोहम्मडन स्पोर्टिंग का 54 फीसदी रहा। लेकिन ब्लैक पैंथर्स बमुश्किल तीन प्रयास कर पाए और विपक्षी गोलकीपर विशाल कैथ की परीक्षा तक नहीं पाए। वहीं, गेंद पर 46 फीसदी कब्जा रखने वाले मोहन बागान सुपर जायंट की तरफ से 15 प्रयास किए गए, जिनमें से छह शॉट टारगेट पर रहे और तीन पर गोल आए।

यह आईएसएल में दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला था और आज मैरिनर्स ने नए-नवेले मोहम्मडन स्पोर्टिंग को फुटबॉल का पाठ पढ़ा दिया।

व्यापार समाचार

देश के सबसे बड़े दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024 में पहुंचे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, बॉलीवुड और स्पोर्ट्स के दिग्गजों ने बांधा समां

नई दिल्ली, एजेंसी। दी सीएसआर जर्नल द्वारा आयोजित दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024 मुंबई में संपन्न हुआ। दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024 कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी यानी सीएसआर जगत में देश का सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड सेरेमनी है, जो मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024 में मुख्य अतिथि के तौर पर लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला, महिला व बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे, सांस्कृतिक कार्य, वन एवं मत्स्य पालन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, राज्यसभा सांसद और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी. टी. उषा, सांसद एवं महाराष्ट्र एनसीपी अध्यक्ष सुनील तटकरे, सांसद रवींद्र वायकर, पूर्व सांसद राहुल शेवाले, पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी जैसे कई दिग्गज उपस्थित रहे।

अवार्ड्स में इंडिया फर्स्ट का रहा थीम, महिला सशक्तिकरण पर भी हुई बात : हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अवार्ड्स का थीम 'इंडिया फर्स्ट' था, जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स के इस प्रतिष्ठित आयोजन में 600 से अधिक अतिथि शामिल हुए, जिनमें देश के कोने कोने से ब्यूरोक्रेट, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा नेता, कलाकार, देश के तमाम कॉरपोरेट हाउसेस के प्रतिनिधि और देश का भविष्य कहे जाने वाले मेधावी छात्र शामिल थे।

ओम बिरला की मौजूदगी में कुल 6 कैटेगरी में दिया गया अवॉर्ड : दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स में कॉरपोरेट जगत से जुड़ी दिग्गज हस्तियों का भी जमावड़ा रहा। इस बहुत ही खास दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड में उन तमाम कॉरपोरेट कंपनियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने CSR के माध्यम से समाज में अपनी जिम्मेदारी और अपने दायित्वों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक उत्थान के लिए बेहतरीन काम किये है। Corporate Social Responsibility-CSR के क्षेत्र में 6 कैटेगरीज में दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024 दिया गया। ये कैटेगरीज है। एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट, एजुकेशन एंड स्किल ट्रेनिंग, एनवायरनमेंट, हेल्थ एंड सैनिटेशन और वीमेन एम्पावरमेंट एंड चाइल्ड वेलफेयर और स्पोर्ट्स। इस साल दी सीएसआर जर्नल को हर एक कैटेगरी में रिकॉर्ड संख्या में एप्लीकेशन थे। जिनमें से सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन सीएसआर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई हमारे नॉलेज पार्टनर रहे।

सीएसआर की मदद से जीवन बेहतर बन रहा है - ओम बिरला: दी सीएसआर जर्नल के इस ख़ास मंच से ओम बिरला ने ऑडियंस को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'मैं उन सभी का दिल से धन्यवाद करता हूं जो समाज के वंचित वर्ग के लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने और उनके जीवन को बेहतर बनाने में जुटे हुए हैं। कंपनियों द्वारा समाज के लिए किया जा रहा कार्य भी अत्यंत प्रशंसनीय है।

मैं कहना चाहूंगा कि यदि आपके प्रयासों से किसी एक व्यक्ति के चेहरे पर भी मुस्कान आ जाए, तो इससे बड़ा कोई कार्य नहीं हो सकता।' उन्होंने कहा, 'केंद्र और राज्य सरकारों ने समाज की आर्थिक उन्नति के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं और आज हम भारत में एक महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक बदलाव देख रहे हैं। हमारा देश एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है और वैश्विक मंच पर सम्मान अर्जित कर रहा है।'

महिलाओं को सशक्त करने की आवश्यकता नहीं है, वे पहले से ही सशक्त हैं - अमित उपाध्याय: The CSR Journal के फाउंडर और एडिटर इन चीफ अमित उपाध्याय ने अवॉर्ड समारोह के थीम 'इंडिया फर्स्ट' पर चर्चा करते हुए कहा, 'हमारा ध्यान महिलाओं के सशक्तिकरण पर है। यह विषय मेरे दिल के करीब है। मैं हमेशा यही कहता हूं कि महिलाओं को सशक्त करने की आवश्यकता नहीं है, वे पहले से ही सशक्त हैं। भारतीय संस्कृति में समाज के प्रति जिम्मेदारी और सामुदायिक सौहार्द हमेशा से गहरे जुड़े रहे हैं। यह हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है।' इस सितारों से भरे आयोजन में बॉलीवुड सुपरस्टार आयुष्मान खुराना, प्रसिद्ध अभिनेता विक्रांत मैसी, दीया मिर्जा और मानुषी छिल्लर भी शामिल हुए। जो परोपकार और सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते हैं।

भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पैरालंपिक एथलीट नवदीप सिंह और अवनी लेखरा को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मंच पर सम्मानित किया गया।

इस भव्य कार्यक्रम को होस्ट शाइना खान ने किया, जबकि गायक अंकुर पाठक और उनकी टीम ने अपने सुरों से सबको मोहित कर दिया। वी कंपनी द्वारा प्रस्तुत डांस भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा। भारत में 2014 से कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (Corporate Social Responsibility) अनिवार्य किया गया है और तब से यह क्षेत्र मानव विकास के लिए अपार संभावनाओं से भरा हुआ है। दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवार्ड्स का आयोजन भारत की कंपनियों द्वारा ष्टस्क्र में किए जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों को सम्मानित करने के उद्देश्य से हर साल किया जाता है।

अपने क्षेत्रों में सर्वोच्च पदों पर तैनात टॉप ब्यूरोक्रेट्स है दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024 के जूरी

समूचे देश से दी सीएसआर जर्नल को इनमें से प्रत्येक कैटेगरी में बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल सइंसेस (Tata Institute of Social Sciences – TISS) जो कि द सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024 के नॉलेज पार्टनर है उनके द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया। अंतिम दौर के लिए, अपने अपने क्षेत्रों में सर्वोच्च पदों पर तैनात टॉप ब्यूरोक्रेट्स (Top Bureaucrats in India) ने इस अवार्ड्स को जज किया। बतौर जूरी इन सभी टॉप ब्यूरोक्रेट्स ने आवेदनों का आकलन किया, कॉरपोरेट हाउसेस के लोगों से बातचीत किया और फिर कौन से CSR Initiatives में कौन से कॉरपोरेट हाउसेस ने उत्कृष्ट काम किया है उसको तय किया जो कि विजेताओं के नामों की घोषणा सीधे अवार्ड फंक्शन में किया।

क्रोमा में 'फेस्टिवल ऑफ़ ड्रीम्स' की शुरूआत, इलेक्ट्रॉनिक्स की जमकर खरीदारी करें और जीतें आकर्षक इनाम!

राष्ट्रीय, एजेंसी। क्रोमा में फिर एक बार शुरू हो चूका है सालाना 'फेस्टिवल ऑफ़ ड्रीम्स', इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेस को अपग्रेड करने का बेहतरीन मौका फिर एक बार मिल रहा है। 3 नवंबर तक सभी क्रोमा स्टोर्स और www.croma.com पर बेजोड़ ऑफर्स का आनंद लीजिए।

देश भर के 500 से ज़्यादा क्रोमा स्टोर्स में खरीदारी करके 100 टाटा मोटर कार, 500 हीरो बाइक और 5000 टाइटन वॉचेस जीतने का अवसर उपभोक्ताओं को मिलेगा, हर खरीदारी पर मिलेंगे एश्योर्ड फ्री गिफ्ट्स।

बेजोड़ डिस्काउंट्स और ऑफर्स के साथ, टीवी और होम अप्लायंसेस पर मिल सकता है अनलिमिटेड 10त्न इंस्टेंट कैशबैक, साथ ही स्मार्टफोन्स और लैपटॉप्स की विशाल रेन्ज पर मिलेगा अनलिमिटेड 5त्न कैशबैक।

क्रोमा इन्फिनिटी-रिटेल लिमिटेड के डेप्युटी सीईओ श्री शिबाशीष रॉय ने कहा, 'हमारा फेस्टिवल ऑफ़ ड्रीम्स कैम्पेन शुरू करके और हमारे उपभोक्ताओं को बेजोड़ डिस्काउंट और कैशबैक, कार, बाइक और वॉचेस जीतने का मौका देकर त्योहारों की खुशियों में चारचांद लगाकर हमें बहुत खुशी हो रही है। हर परिवार के उत्सव को कुछ खास बनाना और त्योहारों की खरीदारी को यादगार अनुभव बनाना हमारा लक्ष्य है।'

इस बार त्योहारों में क्रोमा के साथ मनाए 'फेस्टिवल ऑफ़ ड्रीम्स'! नज़दीकी क्रोमा स्टोर्स या www.croma.com पर जाएं और आकर्षक डील्स का लाभ उठाएं।

बैंक ऑफ इंडिया ने कोल इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंकों में से एक, बैंक ऑफ इंडिया ने कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों के कर्मचारियों को वेतन खाता सुविधाएं प्रदान करने के लिए महारत्न कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन किया है। हस्ताक्षर समारोह 04 अक्टूबर 2024 को सीआईएल मुख्यालय, कोयला भवन, एक्शन एरिया -1, कोलकाता में आयोजित किया गया था। सीआईएल का प्रतिनिधित्व श्री विनय रंजन, (निदेशक-कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध) द्वारा किया गया और बैंक ऑफ इंडिया का प्रतिनिधित्व श्री शारदा भूषण राय, (मुख्य महाप्रबंधक-संसाधन/ विपणन/ जीबीडी, प्रधान कार्यालय-मुंबई), मनोज कुमार सिंह, (महाप्रबंधक, एफजीएमओ-कोलकाता), अमित कुमार (उप महाप्रबंधक) और एमएमआई लोधी (सहायक महाप्रबंधक, बड़ी कॉर्पोरेट शाखा-कोलकाता) द्वारा किया गया।

बैंक ऑफ इंडिया इस विशेष बीओआई वेतन पैकेज के माध्यम से कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों के कर्मचारियों को कई लाभ प्रदान करेगा। इसमें समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर, स्थायी/आंशिक विकलांगता कवर और हवाई दुर्घटना बीमा कवर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक बाल शिक्षा लाभ, आरओआई में रियायतें और रिटेल लोन, लॉकर किराये आदि में प्रोसेसिंग शुल्क भी प्रदान करेगा।

एमओयू कोल इंडिया कर्मचारियों की सेवा करने और उनकी वित्तीय आवश्यकताओं को निर्बाध रूप से पूरा करने में मदद करने के बैंक ऑफ इंडिया के निरंतर प्रयास का प्रतिबिंब है। बीओआई की डिजिटल पहल और बीओआई मोबाइल ओमनी नियो ऐप दूरदराज के क्षेत्रों में कोल इंडिया कर्मियों को जुड़े रहने और वित्तीय समाधानों तक आसान पहुंच प्राप्त करने में भी मदद करेगा।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा इंडिया ज्वैलरी पार्क के लिए स्टाम्प ड्यूटी छूट की पेशकश: जीजेईपीसी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र राज्य सरकार ने महापे, नवी मुंबई में जीजेईपीसी की एक परियोजना, इंडिया ज्वेलरी पार्क के भीतर भूमि के पहले लीज और उसके बाद के सब-लीज पर स्टांप शुल्क की पूर्ण छूट की घोषणा की है।

25 सितंबर 2024 के महाराष्ट्र सरकार के राजपत्र में उल्लिखित निर्णय का उद्देश्य आभूषण क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करना और भारत आभूषण पार्क के विकास को बढ़ावा देना है।

सरकार ने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) और मेसर्स के बीच निष्पादित भूमि के पहले लीज पर स्टांप शुल्क पूरी तरह से माफ कर दिया है। इंडिया ज्वैलरी पार्क, साथ ही पार्क के भीतर बाद के सब लीज पर। इस छूट का लाभ इंडिया ज्वैलरी पार्क के भीतर सभी पात्र इकाइयों पर लागू है।

जीजेईपीसी के अध्यक्ष विपुल शाह ने कहा, हम नवी मुंबई में इंडिया ज्वेलरी पार्क के लिए स्टांप शुल्क माफ करने में समर्थन के लिए महाराष्ट्र सरकार के बहुत आभारी हैं। यह महत्वपूर्ण पहल रत्न और आभूषण उद्योग के विकास में एक प्रमुख मील का पत्थर है। व्यवसायों पर वित्तीय बोझ कम करके, स्टांप शुल्क माफी न केवल निवेश को प्रोत्साहित करेगी बल्कि इस क्षेत्र के विकास को भी गति देगी।

इंडिया ज्वेलरी पार्क आभूषण मैन्युफैक्चरिंग परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार है। यह नवाचार, उत्पादन और व्यापार के लिए एक अत्याधुनिक केंद्र बनाएगा, निर्यात को काफी बढ़ावा देगा, नौकरियां पैदा करेगा और भारत की शिल्प कौशल पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करेगा।

सरकार के इस समर्थन से, यह पार्क भारत को रत्न और आभूषण उद्योग में विश्व में अग्रणी बनाने के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सरकार ने कहा है कि यह निर्णय राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने के उसके प्रयासों के अनुरूप है। आभूषण क्षेत्र को प्रोत्साहन देकर, सरकार का लक्ष्य अग्रणी विनिर्माण केंद्र के रूप में महाराष्ट्र की स्थिति को मजबूत करना है।

स्टांप शुल्क माफी से महाराष्ट्र के आभूषण उद्योग पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इससे नए निवेश आकर्षित होने, नौकरियां पैदा होने और क्षेत्र में समग्र आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

इंडिया ज्वेलरी पार्क देश में आभूषण निर्माण और डिजाइन का एक प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

1966 में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा स्थापित रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी), देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई कई निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) में से एक है। 1998 से, GJEPC को स्वायत्त दर्जा दिया गया है।

जीजेईपीसी रत्न एवं आभूषण उद्योग का शीर्ष निकाय है और आज इस क्षेत्र में 10,000 से अधिक सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है। मुंबई में मुख्यालय के साथ, जीजेईपीसी के नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, सूरत और जयपुर में क्षेत्रीय कार्यालय हैं, जो सभी उद्योग के प्रमुख केंद्र हैं।

इस प्रकार इसकी व्यापक पहुंच है और यह सदस्यों को सीधे और अधिक सार्थक तरीके से सेवा प्रदान करने के लिए उनके साथ घनिष्ठ बातचीत करने में सक्षम है।

पिछले दशकों में, जीजेईपीसी सबसे सक्रिय ईपीसी में से एक के रूप में उभरा है और इसने अपनी प्रचार गतिविधियों में अपनी पहुंच और गहराई का विस्तार करने के साथ-साथ अपने सदस्यों के लिए सेवाओं को व्यापक बनाने और बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया है।

देश में सार्वजनिक क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने बैंकिंग इंफ्रा, एम्प्लाई ऑपरेशंस और यूजर सिक्योरिटी को उन्नत करने के लिए 'मेक इन इंडिया' स्विच को अपनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए और भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के साथ तालमेल बिठाते हुए देश में सार्वजनिक क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने एचएफसीएल लिमिटेड के स्विच को अपनाया है। बैंक ने स्वदेशी रूप से निर्मित स्विच का उपयोग करके अपनी 1600 से अधिक शाखाओं में अपने नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर को सफलतापूर्वक अपग्रेड किया है। यह रणनीतिक साझेदारी भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की तकनीकी आत्मनिर्भरता और बेहतर ग्राहक अनुभव की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एचएफसीएल ने देश भर में बैंक की शाखाओं में एलएएन कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए लगभग तीन हज़ार 24-पोर्ट स्विच की आपूर्ति की है। एचएफसीएल के स्विच का बैंक के मौजूदा नेटवर्क एक्सेस कंट्रोलर (एनएसी) सिस्टम के साथ एकीकरण होने से बैंक ऑफ बड़ौदा को सख्त एक्सेस कंट्रोल सुनिश्चित करते हुए अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने की सुविधा मिलती है। नेटवर्क एक्सेस कंट्रोलर में केवल अधिकृत डिवाइस और उपयोगकर्ता ही बैंकिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुँच सकते हैं। स्विच सभी शाखाओं में हाई-स्पीड, विश्वसनीय कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं, जबकि नेटवर्क एक्सेस कंट्रोलर सिस्टम लगातार निगरानी करता है और एक्सेस का प्रबंधन करता है। नए स्विच स्थापित करने का काम डायनाकॉन्स सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस के सहयोग से किया गया, जिससे व्यवसाय की निरंतरता से समझौता किए बिना एक सुरक्षित और अनुपालन कनेक्टिविटी सिस्टम में सुचारू बदलाव सुनिश्चित हुआ। यह सफल तैनाती भारतीय टैक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स की बढ़ती क्षमताओं को रेखांकित करती है। साथ ही घरेलू विनिर्माण का समर्थन करते हुए अपने बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने की चाहत रखने वाली अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं के लिए एक मिसाल कायम करती है।

अशोक लीलैंड ने रायपुर में 'मिनी एक्सपो' का आयोजन किया, उन्नत एमएचसीवी नवाचारों का प्रदर्शन किया

कंपनी का लक्ष्य क्षेत्र की तेजी से बढ़ती आर्थिक वृद्धि, बढ़ती बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और वाणिज्यिक वाहनों की बढ़ती मांग का लाभ उठाना है ताकि बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया जा सके और क्षेत्र में ग्राहकों की विशिष्ट जरूरतों को पूरा किया जा सके

रायपुर, एजेंसी। हिंदुजा समूह की भारतीय प्रमुख कंपनी और देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी अशोक लीलैंड ने रायपुर में 'मिनी एक्सपो' का उद्घाटन किया है, जिसमें मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों (एमएचसीवी) में अपने नवीनतम नवाचारों का प्रदर्शन किया गया है। रायपुर इस एक्सपो के लिए चुने गए भारत के 11 विशेष स्थानों में से एक है, जो नवाचार और ग्राहक जुड़ाव के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस एक्सपो में दो सर्किट एक साथ आयोजित किए जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य अशोक लीलैंड की अत्याधुनिक तकनीकों को ग्राहकों और उत्साही लोगों के करीब लाना है। सर्किट 1, जो दिल्ली से शुरू हुआ था, रायपुर में समाप्त होगा।

रायपुर एक्सपो में, अशोक लीलैंड वाहनों की एक विविध श्रृंखला प्रदर्शित कर रहा है, जिसमें AVTR 5525AN 4X2 ,C, AVTR 4825HN AC, AVTR 4825TN HD AC, AVTR 3532TN 8X4, AVTR 3525TN HR एक्सल, बॉस 1915 22FT, OYSTER Vi स्कूल (53 सीटर), OYSTER Vi स्टाफ (40 सीटर), 15 रू बस चेसिस, AVTR 4825H काउल HD 28FT, औरU AVTR 55T EV शामिल हैं।

अशोक लीलैंड के एमएचसीवी अध्यक्ष श्री संजीव कुमार ने कहा, रायपुर में मिनी एक्सपो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि हम वाणिज्यिक वाहन खंड में अग्रणी बने हुए हैं। छत्तीसगढ़ हमारे लिए एक प्रमुख बाजार रहा है। हमने हमेशा इस क्षेत्र की क्षमता को पहचाना है और हम इस भूगोल में आने वाले अवसरों को लेकर उत्साहित हैं। एक्सपो ग्राहकों के लिए गतिशीलता के भविष्य को आगे बढ़ाने में हमारी क्षमताओं का अनुभव करने का एक अवसर है। हमें विश्वास है कि हमारे वाहन, हमारे व्यापक आफ्टरमार्केट समाधानों के साथ मिलकर, हमारे ग्राहकों को व्यापक परिवहन समाधान प्रदान करने के लिए हमारे समर्पण को प्रदर्शित करेंगे।

हम रायपुर में अपने ग्राहकों और हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए तत्पर हैं।

रायपुर में आयोजित 'मिनी एक्सपो' में अशोक लीलैंड के अत्याधुनिक एमएचसीवी उत्पादों और वाहनों को प्रदर्शित किया गया, तथा यह एमएचसीवी प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति में रुचि रखने वाले उद्योग के पेशेवरों, उत्साही लोगों और हितधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन है। दो दिवसीय एक्सपो आगंतुकों के लिए न केवल नवीनतम वाहनों का अनुभव करने का एक शानदार अवसर होगा, बल्कि अशोक लीलैंड द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यापक सेवाओं और समाधानों का भी अनुभव करने का अवसर होगा।

ओटीपी बना बीजेपी के सदस्यता अभियान का रोड़ा

लोग ओटीपी शेयर करने से बच रहे, साइबर फ्रॉड का डर, अब ऑफलाइन भी बनेंगे सदस्य

जयपुर, 7 अक्टूबर। पूरे देश में इस समय बीजेपी का सदस्यता अभियान चल रहा हैं। लेकिन राजस्थान में बीजेपी के सदस्यता अभियान की रफ्तार धीमी हैं। 15 अक्टूबर को सदस्यता अभियान की डेडलाइन हैं। प्रदेश बीजेपी का लक्ष्य 1.25 करोड़ हैं। लेकिन अभी तक बीजेपी के मात्र 36 लाख सदस्य ही बने हैं।

दरअसल पार्टी ने इस बार फर्जी और डमी सदस्य नहीं बने, इसके लिए ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) लागू किया हैं। मतलब जो भी सदस्य बनेगा। उसके मोबाइल पर पहले ओटीपी आएगा। ओटीपी दर्ज करने के बाद ही सदस्यता फॉर्म खुलेगा। लेकिन अब यह ओटीपी ही सदस्यता अभियान में बड़ा रोड़ा साबित हो रहा हैं। कई लोग साइबर फ्रॉड के चलते ओटीपी बताने से बच रहे है तो कई जगह नेटवर्क की समस्या के चलते कई प्रयासों के बाद भी ओटीपी रिसीव ही नहीं हो रहा है। प्रदेश में 3 सितम्बर को सीएम भजनलाल शर्मा को सदस्य बनाकर अभियान की शुरुआत की गई थी। अक्सर ये सुनने में कई बार आता है कि ओटीपी बताने से बैंक का फ्रॉड हो गया और व्यक्ति का बैंक खाली कर दिया गया। ऐसे में व्यक्ति सदस्य बनने के लिए मिस कॉल तो देता है। लेकिन, इस प्रोसेस में आ रहे ओटीपी के बाद आम व्यक्ति ठहर सा जाता है। हालांकि, पढे लिखे व्यक्तियों के लिए इसमें परेशानी नहीं है। लेकिन जो लोग इसकी जानकारी कम रखते है। वो समूह इस प्रोसेस में आगे बढने से इनकार कर देता है। यह समस्या भरतपुर और अलवर जिले में सबसे ज्यादा देखने को मिल रही हैं। यहां का मेवात क्षेत्र साइबर फ्रॉड के लिए बदनाम हैं। वहीं उदयपुर संभाग के आदिवासी जिले, सवाईमाधोपुर और बारां जिले में नेटवर्क की समस्या के चलते मिस्ड कॉल और क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद कई प्रयास में भी ओटीपी नहीं आ रहा है। जिससे यहां सदस्यता बनाने में दिक्कत आ रही हैं। अभियान की धीमी गति को लेकर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी नाराज़गी जाहिर कर चुके हैं। प्रदेश में सदस्यता अभियान के प्रदेश सह संयोजक मोतीलाल मीणा ने कहा कि देश और प्रदेश में हमेशा साइबर फ्रॉड की घटनाएं सुनने को मिलती है। इसके कारण भी लोग ओटीपी शेयर करने से हिचकते हैं। वहीं कई जगह नेटवर्क की समस्या के चलते दिक्कत आ रही हैं।

इसलिए हमने ऑफलाइन भी सदस्य बनाने का निर्णय लिया हैं। उन्होने बताया कि फिलहाल पार्टी ने सभी जिलों में 18 लाख 82 हजार बुकलेट भेजी है। एक बुकलेट से लगभग 25 सदस्य बनाए जा सकते है। इन बुकलेट का हिसाब भी रखा जा रहा है। जिले मण्डल को बुकलेट भेजेंगे। उसका हिसाब जिला रखेगा। वहीं मण्डल से बुकलेट बूथ पर जाएगी। उसका हिसाब मण्डल रखेगा।

ऑनलाइन और ऑफलाइन हम सदस्य बनने वाले से पूरा फॉर्म भरवा रहे हैं। जिससे आगे जाकर वो बीजेपी के कार्यकर्ता के रूप में काम कर सके, उसकी पूरी जानकारी पार्टी के पास रहे। कोई भी व्यक्ति नमो ऐप, वेबसाइट, क्यूआर कोड और टोल फ्री नम्बर पर मिस्ड कॉल करके सदस्य बन सकता है। मिस्ड कॉल करने और अन्य प्रक्रिया से आपके पास वैरिफिकेशन कोड (ओटीपी) आएगा। इसे दर्ज करने पर फॉर्म खुलेगा। उसे पूरा भरकर सब्मिट करने पर आप पार्टी के सदस्य बन जाएंगे। इसके साथ ही आपको एक रेफरल कोड भी मिलेगा। जिस कोड का इस्तेमाल करके आप अन्य नए सदस्य भी बना सकते हैं। आपके रेफरल कोड से कोई सदस्य बनता है तो वो आपके खाते में जुड़ जाएगा। अगर आपको पार्टी का सक्रिय सदस्य बनना है तो आपके रेफरल कोड से 100 सदस्य बनना जरूरी हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय में सफाई कर्मचारी की मौत

जयपुर, 7 अक्टूबर। राजस्थान विश्वविद्यालय सफाई कर्मचारी की मौत हो गई। चक्कर आने से वह अचानक जमीन पर गिरकर बेहोश हो गए थे। पिछले काफी समय से उनकी टीवी की बीमारी का इलाज चल रहा था। गांधी नगर थाना पुलिस ने हॉस्पिटल में शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। राज सिंह यादव ने बतायाकि मृतक भंवर लाल मेहरा (57) सुशीलपुरा सोडाला का रहने वाले थे। वह पिछले करीब 10-15 साल से राजस्थान यूनिवसिर्टी में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे। शनिवार सुबह वह रोज की तरह घर से काम पर यूनिवसिर्टी आए थे। यूनिवसिर्टी में बाबा हॉस्टल के पास काम करते समय अचानक चक्कर आने से जमीन पर गिरकर बेहोश हो गए। वहां मौजूद स्टूडेंट्स ने उन्हें तुरंत स्स्र हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। डॉक्टर्स ने इलाज के दौरान भंवर लाल मेहरा को मृत घोषित कर दिया। मेडिकल सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस का कहना है कि प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि पिछले काफी समय से उनका टीवी बीमारी का इलाज चल रहा था। ग्राउंड फ्लोर पर काम करते समय अचानक चक्कर आने से जमीन पर गिरे थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मौत के कारण का पता चल सकेगा।

पीएचडी में एडमिशन के नाम पर 1.22 लाख ठगे

सीकर, 7 अक्टूबर। सीकर के दांतारामगढ़ क्षेत्र में पीएचडी में एडमिशन के नाम पर 1.22 लाख रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। दांतारामगढ़ क्षेत्र के रहने वाले श्यामसुंदर ने पुलिस में रिपोर्ट देकर बताया है कि उनके पास पिछले कई दिनों से कॉल आ रहा था।

कॉल करने वाला आदमी उन्हें अलग-अलग संस्थानों में कोर्स में प्रवेश दिलाने की बात कर रहा था। इसलिए श्यामसुंदर ने अपने बच्चों को पीएचडी में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया पूछी तो कॉल करने वाले ने कहा कि वह बिना किसी टेस्ट के ही पीएचडी में प्रवेश दिला देगा।

रिपोर्ट में बताया जब श्यामसुंदर ने उस आदमी से नाम पूछा तो उसने अपना नाम राहुल बताया और अपना ऑफिस टोंक पुलिया के पास बताया।

जयपुर में मिट्टी ढहने से दबे दो मजदूर, मौत

वाटर हार्वेस्टिंग टैंक खोद रहे थे गड्ढा, 10 फीट नीचे कर रहे थे काम

जयपुर, 7 अक्टूबर। भांकरोटा इलाके में वाटर हार्वेस्टिंग टैंक खोदते समय गड्ढे की मिट्टी ढहने से दो मजदूरों की दबने से मौत हो गई। भांकरोटा इलाके में वाटर हार्वेस्टिंग टैंक खोदते समय गड्ढे की मिट्टी ढहने से दो मजदूरों की दबने से मौत हो गई।

जयपुर में मिट्टी ढहने से शनिवार दोपहर दो मजदूरों की दबने से मौत हो गई। वह वाटर हार्वेस्टिंग टैंक खोदने के दौरान 10 फीट नीचे काम कर रहे थे। भांकरोटा थाना पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम ने जेसीबी की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में पोस्टमार्टम करवाकर दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया है। फूला राम ने बताया- हादसे में गुढ़ागौड़जी झुंझुनूं निवासी जयमल (60) और गया बिहार निवीस सीताराम (45) की मौत हो गई।

वह भांकरोटा में सिरसी रोड स्थित रियासत कृष्णा रेजिडेंट्स में वाटर हार्वेस्टिंग के लिए टैंक खोद रहे थे। दोपहर 2 बजे टैंक में करीब 10 फीट नीचे दोनों गड्ढा खोदने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मिट्टी ढहने से गड्ढे में काम कर रहे दोनों मजदूर दब गए। मजदूरों के दबने पर गड्ढे के बाहर काम कर रहे साथियों में हंगामा मच गया। गड्ढे में दबे मजदूरों को बाहर निकालने के प्रयास के दौरान भांकरोटा थाना पुलिस को सूचना दी गई। भांकरोटा थाना पुलिस ने सूचना पर पहुंचकर तुरंत सिविल डिफेंस टीम को बुलाया। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद सिविल डिफेंस टीम ने जेसीबी की मदद से मिट्टी हटाकर गड्ढे में दबे दोनों मजदूरों को बाहर निकाला। गंभीर हालत में दोनों घायल मजदूरों को हॉस्पिटल भिजवाया गया। डॉक्टर्स ने दोनों मजदूरों को चैक कर मृत घोषित कर दिया।

डिजिटल अरेस्ट कर 1.25 लाख ठगे, 538 करोड़ के केस से निकालने का झांसा दिया

अजमेर, 7 अक्टूबर। जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल के 538 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में नाम आने का झांसा देकर अजमेर की महिला से 1.25 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। ठगों ने इस बार डराया नहीं हितैषी होने का झांसा देकर खुद महिला से का अकाउंट बता कर फर्जी खाते में रुपए ट्रांसफर करने को मजबूर कर दिया। मामला अजमेर के क्रिश्चियनगंज थाना इलाके का शनिवार शाम का है। इस साल राजस्थान में डिजिटल अरेस्ट का यह 12वां मामला है। क्रिश्चियनगंज पुलिस थाने में अजमेर की राजीव कॉलोनी निवासी युवती देविका (बदला हुआ नाम) ने बताया- वह सरकारी ऑफिस में क्लर्क है। रिपोर्ट देकर बताया कि शनिवार सुबह उसके पास एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को ञ्जक्क्ष का कर्मचारी बताया। इसके बाद कहा- उसके नाम से एक सिम कार्ड मुंबई में खरीदा गया है।

राजस्थान में दो सप्ताह में डेंगू के 2200 नए केस

हॉस्पिटल में वार्ड फुल, डॉक्टर, आरएएस अफसर, नर्सिंग की छात्रा तक गंवा चुके जान

जयपुर, 7 अक्टूबर। राजस्थान में पिछले 2 सप्ताह (20 सितंबर से 4 अक्टूबर तक) के अंदर डेंगू के 2200 नए केस सामने आए हैं। पिछले करीब 10 दिनों (25 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच) में 5 जानें जा चुकी हैं। मरने वालों में डॉक्टर, ऋस्र अफसर, नर्सिंग की छात्रा, बिजनेसमैन तक शामिल हैं। जयपुर के सरकारी हॉस्पिटल के वार्ड फुल हो चुके हैं। ह्रक्क्ष में आने वाले 15त्न मरीजों को 2 से 3 दिन तक भर्ती रखना पड़ रहा है। प्रदेश में 1 जनवरी से 4 अक्टूबर तक 5301 डेंगू के केस रजिस्टर्ड हो चुके हैं। हालात अब खतरनाक हो चुके हैं। जयपुर के जेके लोन और जयपुरिया हॉस्पिटल में इन दिनों वार्ड फुल हो गए हैं। 80 फीसदी मरीज डेंगू से संबंधित हैं। जयपुरिया हॉस्पिटल के शिशु रोग विशेषज्ञ और सीनियर प्रोफेसर डॉ. दीपेन्द्र गर्ग कहते हैं- अभी दीपावली तक का समय बहुत खतरनाक है। इस दौरान डेंगू-मलेरिया के सबसे ज्यादा केस आते हैं।

डॉक्टर गर्ग ने बताया कि इन दिनों तेज बुखार और डेंगू के लक्षण वाले बच्चे ओपीडी में आ रहे हैं। इनमें से 15 फीसदी को भर्ती करना पड़ रहा है। इसके पीछे कारण परिजनों की लापरवाही है। अक्सर परिजन बुखार आने, पेट दर्द होने या उल्टियां होने के दो दिन बाद या उससे भी देरी से आ रहे हैं। इसके बाद कई बच्चों में प्लेटलेट्स गिरकर 20 हजार या उससे भी नीचे आने की स्थिति बन रही है। हालांकि ऐसे बच्चों को एडमिशन के बाद बिना एसडीपी चढ़ाए भी ठीक किया जा रहा है। डॉक्टर गर्ग ने बताया कि अभी बच्चों में जो केस आ रहे हैं, उसमें सीवियरिटी कम है। सतर्क रहने की जरूरत है।

बच्चों में उल्टी, पेट दर्द के साथ ब्लीडिंग की समस्या भी आ रही है। उल्टियां ज्यादा होने के कारण कई बार बच्चे डी-हाइड्रेड भी हो रहे हैं।

फलोदी जिले में डीजल चोर गैंग सक्रिय

स्विफ्ट कार में सवार होकर आते हैं बदमाश, खड़े ट्रकों में हो रही सेंधमारी

जोधपुर, 7 अक्टूबर। फलोदी जिले में अब बदमाश सड़क पर खड़ी गाड़ियों से डीजल चुराने वाली गैंग सक्रिय है। ये गैंग महज 10 मिनट में टंकी से पूरा डीजल निकालकर ले जाती है। ट्रक जब स्टार्ट नहीं होता है तब चालक को पता चलता है कि उसकी गाड़ी से डीजल चोरी हो चुका है इसको लेकर ऐसा ही एक मामला फलोदी जिले के मतोडा थाने में दर्ज हुआ है। थाने में हरिदास वैष्णव निवासी बेलवा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। बताया कि वो ट्रक चलाने का काम करते हैं। रात्रि के समय उन्होंने एक पेट्रोल पंप पर ट्रक को डीजल भरवा कर खड़ा किया था। रात के समय एक स्विफ्ट गाड़ी आई और उन्होंने उनकी गाड़ियों से डीजल निकाल दिया। ट्रक मालिक गोपाराम ने बताया की उनके पत्थर ढुलाई के ट्रक हैं। जो रात के समय पेट्रोल पंप पर खड़े किए थे। रात को दोनों गाड़ियों से 195 लीटर डीजल निकाल कर स्विफ्ट कार में सवार बदमाश चले गए। इसका सीसीटीवी फुटेज भी पेट्रोल पंप पर लगे कैमरे में कैद हो गया। गोपाराम ने बताया कि यह गैंग पिछले करीब तीन माह से एक्टिव है। जो रात के समय आराम करने वाले ट्रक चालकों के ट्रक से डीजल चुराकर भाग जाती है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी के आधार पर कार सवार बदमाशों का पता लगाने में जुटी हुई है।

जयपुर में सोशल मीडिया रील बनाने के बहाने बुलाकर रेप

जयपुर, 7 अक्टूबर। चाकसू थाने में परिचित के विवाहिता से रेप करने का मामला सामने आया है। जयपुर की होटल में विवाहिता से रेप करने का मामला सामने आया है। धोखे से परिचित ने नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर रेप किया। अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर देह शोषण कर 10 लाख रुपए की डिमांड की। चाकसू थाने में पीड़िता ने आरोपी परिचित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच (चाकसू) राजूराम कर रहे हैं। पुलिस ने बताया- चाकसू निवासी 25 साल की विवाहिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि आरोपी विक्रम सिंह गुर्जर इंस्टाग्राम पर रील बनाता है। इंस्टाग्राम पर साथ रील बनाने के लिए रिक्वेस्ट करने लगा। आरोप है कि 7 अप्रैल को मिलने के बहाने घर आया। रील बनाने की कहकर चलने की कहा। मना करने के बाद भी वह अपने दोस्त के साथ जबरन उसके गाड़ी में बैठाकर मालवीय नगर ले आए। एक होटल में धोखे से ले जाकर आरोपी विक्रम सिंह ने कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर पिला दिया। नशे की हालत में आरोपी ने उसके साथ रेप किया। अपने मोबाइल में अश्लील वीडियो बना लिया। होश आने पर विरोध करने पर अश्लील वीडियो दिखाकर वायरल करने की धमकी दी। अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर देह शोषण करने के साथ ही 10 लाख रुपए की डिमांड की। रुपए नहीं देने पर अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी दी। धमकियों से परेशान होकर पीड़िता ने चाकसू थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

सरिया मार कर व्यापारी से लूटे थे 31 लाख

पुलिस ने चौथे आरोपी को किया गिरफ्तारी, दो महिलाओं सहित तीन आरोपी पहले पकड़े जा चुके

जोधपुर, 7 अक्टूबर। जोधपुर में 2 अक्टूबर को मंडोर के 9 मिल क्षेत्र में व्यापारी पर हमला कर 31 लाख रुपए की लूट करने के मामले में पुलिस ने चौथे आरोपी अर्जुन देवासी को गिरफ्तार कर लिया है। अर्जुन देवासी घटना के बाद से फरार चल रहा था।

जिसकी तलाश में पुलिस ने कई जगह दबिश दी थी। अर्जुन से पहले इस मामले में दो महिला सहित तीन लोगों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर रखा है। जोधपुर पूर्व के डीसीपी आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि दामोदर कॉलोनी निवासी मनीष पुत्र मुरलीधर डागा मंडी में व्यापारी है। 2 अक्टूबर की रात को मनीष अपने परिचित ट्रक ड्राइवर बुद्धाराम देवासी से मिलने के लिए स्कूटी पर मंडोर 9 मील गए थे। उनके पास 31 लाख रुपए भी थे।

9 मील पर एक फैक्ट्री के पास वह स्कूटी पर बुद्धाराम का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर एक युवक वहां आया और मनीष के सिर पर लोहे सरिए से हमला कर दिया। और रुपए से भरा थैला लेकर फरार हो गया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद मंडोर पुलिस ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में शुक्रवार को पाली जिले में शिवपुरा थानान्तर्गत भाणिया गांव निवासी ट्रक चालक बुद्धाराम पुत्र सोनाराम देवासी, उसकी पत्नी गीतादेवी और शिवपुरा थानान्तर्गतहापत गांव निवासी ललिता पत्नी अर्जुन देवासी को गिरफ्तार किया। इस दौरान ललिता का पति अर्जुन वहां से फरार हो गया था। जिसे पुलिस ने अब गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि दोनों दम्पती पर करीब 7 लाख रुपए का कर्ज है। आरोपी बुद्धाराम व अर्जुन रिश्तेदार है। बुद्धाराम और व्यवसायी मनीष डागा पुराने परिचित हैं। बुद्धाराम को यह पता था कि व्यापारी मनीष हर समय अपने पास काफी पैसे रखता है। इसी के चलते बुद्धाराम व अर्जुन ने लूट का प्लान बनाया। बुद्धाराम ने व्यवसायी को मिलने नौ मील बुलाया था, जहां पहुंचने पर अर्जुन ने उस पर हमला कर 31 लाख रुपए लूट लिए थे।

बेटा राशन कार्ड लेने आया, तब टूटे मिले ताले, मां हॉस्पिटल में भर्ती

अजमेर, 7 अक्टूबर। अजमेर की मोती विहार कॉलोनी में स्थित घर में चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और हजारों रुपए नगदी चोरी कर फरार हो गए। महिला बीमार होने के कारण पिछले कुछ दिनों से हॉस्पिटल में भर्ती थी। महिला का बेटा घर गया तो उसे ताले टूटे मिले। बेटे ने मामले की शिकायत गंज थाने में दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार- मोती विहार कॉलोनी बांडी नदी के पास इंदिरा बाई नाम की महिला के घर चोरी की वारदात सामने आई है। महिला का बेटा रोहित अलग से किराए पर रहता है। जब वह अपनी मां इंदिरा के घर राशन कार्ड लेने गया। तब उसे ताले टूटे मिले। बेटे ने इसकी सूचना गंज थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया गया। बेटे रोहित ने बताया कि उसकी मां इंदिरा अकेली रहती है। तबीयत खराब होने के कारण कुछ दिनों से जेएलएन हॉस्पिटल में भर्ती है। इसका फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से सोने-चांदी के जेवरात और 20 हजार नगदी चोरी कर फरार हो गए।

स्कॉर्पियो पर एमएलए का स्टीकर, सायरन बजा रहा था युवक,नाकाबंदी पर पुलिस ने रुकवाया, चालान काटा

अजमेर, 7 अक्टूबर। अजमेर की यातायात पुलिस ने स्कॉर्पियो पर एमएलए का फर्जी स्टीकर लगाकर वीआईपी सायरन बजाकर गाड़ी चलाने वाले युवक को पकड़ा है। पुलिस ने युवक से एमएलए की आईडी मांगी तो उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर गाड़ी को जब्त कर कार्रवाई को अंजाम दिया। ट्रैफिक इंस्पेक्टर बिकाराम काला ने बताया कि अजमेर एसपी वंदिता राणा के निर्देश पर अभियान चला कर गाड़ियों पर फर्जी स्टिकर और वीआईपी सायरन लगाने वालों पर ट्रैफिक पुलिस के द्वारा कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत ट्रैफिक की टीम ने एक कार्रवाई को अंजाम दिया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि उनकी टीम वैशाली नगर पर ड्यूटी कर रही थी। तभी एक ब्लैक नंबर की स्कॉर्पियो गाड़ी वीआईपी सायरन बजाते हुए निकल रही थी। स्टाफ ने गाड़ी को रुकवाया तो उसे पर एमएलए का स्टीकर लगा हुआ था। गाड़ी के ड्राइवर से आईडी मांगी तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर गाड़ी को जब्त किया गया। साथ ही गाड़ी मालिक को भी इसकी सूचना दी गई। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार युवक मायापुर निवासी है। जिससे पूछताछ जारी है।

फुकरे-3 फेम एक्ट्रेस लेखा एयरपोर्ट से जैतारण रवाना

जोधपुर, 7 अक्टूबर। फिल्म अभिनेत्री लेखा प्रजापति शनिवार को एयर इंडिया मुंबई की फ्लाइट से जोधपुर पहुंची। लेखा फिल्म फुकरे 3, रफू चक्कर सहित कई फिल्में कर चुकी हैं। एयरपोर्ट पर जीतू उपाध्याय, किशोर चौधरी व मनीष सोलंकी में उनका स्वागत किया। लेखा जैतारण में आयोजित होने वाले डांडिया कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए जोधपुर आई पहुंची थी।

सड़क मार्ग से जैतारण के लिए रवाना हो गईं। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि विशाल पांडे की जल्द रिलीज होने वाली एक मूवी में उन्होंने काम किया है।

बैक आ रही पिकअप की चपेट में आया टोलकर्मी, मौत

कैश की लेन में जाने के लिए तेजी से दौड़ाई थी, परिजनों ने 1 करोड़ का मुआवजा मांगा

सीकर, 7 अक्टूबर। बैक लेने के दौरान ड्राइवर ने फास्टैग की लेन क्रॉस कर रहे टोलकर्मी को पिकअप से कुचल दिया। वह कैश की लेन में जाने के लिए गाड़ी को तेजी से रिवर्स ले रहा था। लोगों के शोर मचाने पर उसे मालूम चला कि हादसा हुआ है। भीड़ इकठ्ठा हुई तो ड्राइवर मौके से भाग निकला। वहीं टोलकर्मी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों के साथ मॉर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठ गए और 1 करोड़ के मुआवजे की मांग की है। हादसे का वीडियो भी सामने आया है। मामला सीकर के रानोली थाना इलाके के अखेपुरा टोल प्लाजा का सुबह 6.30 बजे का है। सीकर जाकिर अख्तर, तहसीलदार महिपाल सिंह राजावत भी पलसाना में मौके पर पहुंचे हैं और ग्रामीणों से समझाइश का प्रयास कर रहे हैं। रानोली एसएचओ उमराव सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान बाबूलाल (44) निवासी दूधवालों का बास (सीकर) के रूप में हुई है। मृतक अखेपुरा टोल प्लाजा पर काम करता था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। उमराव सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह 6.30 बजे अखेपुरा टोल प्लाजा पर कर्मचारियों ने टोल टैक्स के लिए एक पिकअप गाड़ी को रोका था। गाड़ी पर फास्टैग लगा हुआ था लेकिन, अकाउंट में बैलेंस नहीं था। जिसके बाद कर्मचारियों ने ड्राइवर को दूसरी लेन में कैश काउंटर पर जाने के लिए कहा था। इसी दौरान पिकअप ड्राइवर ने तेज स्पीड में गाड़ी पीछे कर ली। इस दौरान पिकअप के पीछे टोल प्लाजा के कर्मचारी बाबूलाल लेन क्रॉस कर रहे थे। वे इसकी चपेट में आ गए। टोल पर मौजूद कर्मचारियों ने घायल को निजी वाहन से पलसाना सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के साथ ग्रामीण धरने पर बैठे हैं और 1 करोड़ के मुआवजे की मांग की है। पलसाना की मॉर्च्री के बाहर ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया है। उनकी मांग है कि परिजनों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का पूरा खर्चा दिया जाए। मांगे पूरी नहीं होने तक शव लेने से मना कर दिया है। बाबूलाल की पत्नी शर्मिला देवी गांव के ही सरकारी स्कूल में पोषाहार बनाने का काम करती है। बड़ा बेटा सौरभ (19) बीएससी की पढ़ाई कर रहा है जबकि छोटा बेटा वंश (17) बीटेक कर रहा है। वीडियो में एक पिकअप तेजी से बैक होते हुए नजर आ रही है। इसमें बाबूलाल अचानक इसके पीछे आ जाते हैं और पिकअप से पीछे से उन्हें जोरदार टक्कर लगती है। इसके बाद गाड़ी के आसपास टोलकर्मियों और ग्रामीणों की भीड़ जुट जाती है।

लेपर्ड को पकड़ने की रणनीति बदल रहा प्रशासन

50 ट्रैप कैमरा लगाए, बेस कैंप बदल रहे, कितने तेंदुए हमला कर रहे, अब भी संशय

उदयपुर, 7 अक्टूबर। गोगुंदा और बड़गांव के जंगलों में वन-विभाग और प्रशासन ने लेपर्ड को खोजने के लिए सारे जतन कर लिए हैं। लेकिन, लेपर्ड अब तक उनकी पहुंच से दूर है। तकनीक के साथ-साथ प्रशासन ने सीधे तौर पर कमर्चारियों को भी ग्राउंड पर उतार दिया है।

शातिर लेपर्ड जगह बदल रहा है या अलग-अलग लेपर्ड इंसानों पर हमला कर रहे हैं इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। वन विभाग का दावा है कि जहां शिकार किया है वहां लेपर्ड एक बार जरूर आएगा। गोगुंदा थाना प्रभारी शैतान सिंह ने बताया कि उनकी टीम जंगल में जहां-जहां गई, वहां किसी तरह के जानवर नहीं नजर नहीं आया। प्रशासन अब एक तो आबादी क्षेत्र जहां लोगों की आवाजाही बहुत रहती है वहां से बेस कैंप को हटाने की तैयारी कर रहा है। ऐसी जगह बेस कैंप स्थापित करने की सोच रहे हैं जहां पर लोगों की आवाजाही आसान नहीं हो। इधर, यहां कैमरा ट्रेप की संख्या और बढ़ाई है और वहां 50 कैमरा ट्रैप लगा दिए गए हैं। शूटर, वेटेनरी डॉक्टर व ग्रामीणों के साथ टीमों ने दबे पांव पहाड़ी क्षेत्र के जंगल का कोना-कोना छान मारा लेकिन कहीं भी लेपर्ड का मूवमेंट नजर नहीं आ रहा है। शनिवार शाम को जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल राठौड़ों का गुड़ा पहुंचे।

उन्होंने सर्च ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे अधिकारियों से दिनभर की गतिविधियों की जानकारी ली। शनिवार को 13 टीमों की ओर से राठौड़ों का गुड़ा व केलवों का खेड़ा के समीप जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। डीएफओ मुकेश सैनी ने बताया कि कैमरा ट्रेप की संख्या बढ़ाकर 50 कर दी गई। वहीं बेस कैंप (रेस्क्यू सेंटर) को भी कही और शिफ्ट करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राठौड़ों का गुड़ा के सरकारी स्कूल में बैस कैंप बना रखा है। जहां दिन भर लोगों की आवाजाही रहती है।

चूंकि लेपर्ड ने स्कूल के समीप ही एक शिकार किया था इसलिए उसके दोबारा आस-पास आने की संभावना है, लेकिन लोगों की आवाजाही अधिक होने के के कारण पांच दिन गुजरने के बाद भी यहां लेपर्ड का मूवमेंट नहीं देखा है। बता दें कि स्कूल में पुलिस की 100 से अधिक लोगों की टीम भी सक्रिय रूप से काम कर रही है। एएसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा भी विगत दो दिन से राठौड़ों का गुड़ा में सर्च ऑपरेशन में लगी पुलिस को लीड कर रहे हैं। लेपर्ड के हमले में घायल युवक गांव पहुंचा और लोगों को इसकी जानकारी दी। शनिवार को काकण का गुड़ा गांव के समीप मायरा की गुफा के पास एक लेपर्ड दिखाई दिया। ट्रैक्टर चालक ने लेपर्ड को मायरा की गुफा जाने वाली सड़क पार कर पहाड़ियों में जाते देखा। उसके चिल्लाने पर आस-पास में पशु चरा रहे लोग व खेतों में काम कर रहे लोग पहाड़ों पर चढ़ गए। ग्रामीणों ने उस जगह को चारों ओर से घेर लिया, सूचना मिलने पर गिर्वा डिप्टी गजेंद्र सिंह राव मौके पर पहुंचे और करीब 1 घंटे तक वहां लेपर्ड को तलाश लेकिन बाद में वहां जरख जरूर दिखा।

एक्सप्लोर करें भारत का सबसे रोमांटिक शहर

मजबूत होगा आपका रिश्ता

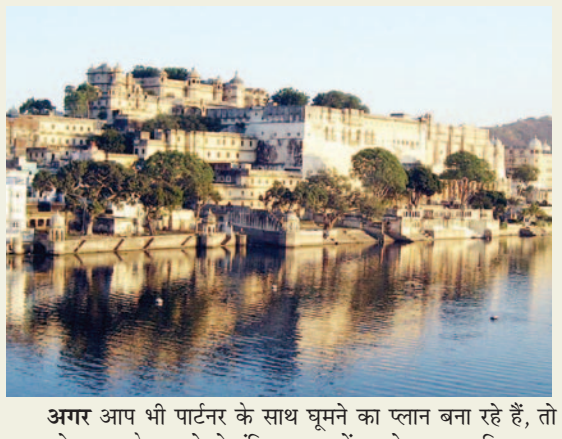

अगर आप भी पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको भारत के सबसे रोमांटिक शहर में घूमने जाना चाहिए। इस जगह पर जाने के बाद आपकी पार्टनर भी खुद को आपकी तारीफ करने से नहीं रोक पाएगी। पार्टनर के साथ जब भी छोटी बातों पर झगड़ा होता है, तो बात ब्रेकअप तक पहुंच जाती है। हालांकि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। कुछ लोग उनको सीरियस नहीं लेते हैं, लेकिन उनको लगता है कि यह पार्टनर गुस्से में बोल रहे हैं। लेकिन आपको अपनी इस बात पर गौर करना चाहिए कि अगर आपका पार्टनर रिश्ता तोड़ने की बात कर रहा है, तो या तो आपका पार्टनर रिश्ते में खुश नहीं है या फिर उसको संतोष नहीं मिल रहा है।

सबसे रोमांटिक शहर

बता दें कि राजस्थान के एक शहर का नाम भारत के रोमांटिक शहरों की लिस्ट में सबसे ऊपर आता है। इस शहर को झीलों का शहर कहा जाता है। राजस्थान का उदयपुर शहर अपने सफेद महलों और खूबसूरत झीलों से लेकर पुरानी घुमावदार सड़कों और रंग बिरंगे बाजारों के लिए भी फेमस है। उदयपुर शहर भारत के सबसे रोमांटिक शहरों में शामिल है। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ घूमने आ सकते हैं। आप 3-4 दिन का ट्रिप प्लान कर यहां आएं। यकीनन आपका यह ट्रिप यादगार होगा। यहां पर आपको बहुत सारे कपल्स देखने को मिलेंगे। इसिलए आप भी यहां अपने पार्टनर के साथ आकर अपना रिश्ता और भी मजबूत बना सकते हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

कम बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए ट्रेन से यात्रा करें। स्लीपर कोच का किराया 400-500 रुपए के बीच है। वहीं एसी कोच के लिए 1500 रुपए किराया है। उदयपुर में आपको सस्ते होटल भी मिल जाएंगे। एक रात के लिए आपको 1000-1500 रुपए के बीच आसानी से होटल मिल जाएगा। यहां पर घूमने के लिए बाइक रेंट पर ले सकते हैं। जिससे आप शहर को अच्छे से एक्सप्लोर कर लें। उदयपुर घूमने के दौरान फेमस पिछोला लेक जरूर देखें।

उज्जैन के आसपास इन शानदार जगह घूमने का बनाएं प्लान, यादगार होगी ट्रिप

उज्जैन का नाम लेते ही महाकाल की नगरी ध्यान में आती है। ऐसे में अगर आप उज्जैन घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको महाकाल के दर्शन के बाद कुछ फेमस जगहों को एक्सप्लोर करना चाहिए।

उज्जैन का नाम सुनते ही सबसे पहले हम सभी के दिमाग में महाकाल की नगरी ही ध्यान में आती है। मध्य प्रदेश में स्थित उज्जैन देश का पवित्र और चर्चित शहर माना जाता है। शिप्रा नदी के पूर्वी तट पर स्थित उज्जैन नगरी में हर महीने लाखों की संख्या में भक्त महाकाल का दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। हर 12 साल में होने वाले कुंभ मेले में लाखों-करोड़ों भक्त उज्जैन पहुंचते हैं। उज्जैन में एक से बढ़कर एक धार्मिक स्थल हैं।

देवास

उज्जैन की सबसे खूबसूरत और फेमस जगह में देवास का नाम भी शामिल है। यह शहर मालवा क्षेत्र में स्थित है। यहां आपको अनेक मंदिर और खूबसूरत दृश्य देखने को मिलेंगे। देवास में स्थित चामुंडा मां और तुलजा भवानी माता मंदिर यहां का सबसे पवित्र और फेमस मंदिर है। यहां पर आप फोर्ट आदि को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

दूरी- उज्जैन से देवास की दूरी लगभग 40 किमी है।

पातालपानी वॉटरफॉल

इंदौर या उज्जैन के आसपास स्थित खूबसूरत और मनमोहक वॉटरफॉल का जिक्र होने पर पातालपानी वॉटरफॉल का नाम सबसे पहले आता है। यह घने जंगलों और पहाड़ों के बीच स्थित है। पिकनिक के लिए यह जगह बेस्ट मानी जाती है। पातालपानी वॉटरफॉल में जब 300 मीटर की ऊंचाई से पानी गिरता है, तो यहां का नजारा देखते ही बनता है। मानसून में इस जगह की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

दूरी- उज्जैन से पातालपानी वॉटरफॉल की दूरी लगभग 93 किमी है।

चोरम डैम

अगर आप भी उज्जैन के आसपास में स्थित हरियाली, घने जंगल, बैकवाटर या शांत वातावरण में कुछ समय बिताना चाहते हैं, तो आपको चोरल डैम एक्सप्लोर करना चाहिए। वीकेंड में यहां पर लोग अपने दोस्तों, परिवार और पार्टनर के साथ आते हैं। इस डैम का पानी बेहद साफ है और यह जगह अपने खूबसूरत दृश्यों के लिए जानी जाती है। इस डैम के आसपास स्थित छोटी-छोटी पहाड़ियां इस जगह को अधिक खास बनाती हैं। बताया जाता है कि इंदौर और उज्जैन के आसपास छिपा हुआ खजाना माना जाता है।

दूरी- उज्जैन से चोरल डेम की दूरी लगभग 109 किमी है।

रतलाम

रतलाम एमपी का एक बेहद खूबसूरत शहर है। यह शहर चारों तरफ से हरियाली से घिरा हुआ है। बताया जाता है कि जिस दौर में यहां पर महाराजा रतन सिंह का शासन था, तब इस शहर की खूबसूरती देखने लायक होती थी। आज भी यह शहर अपने खूबसूरत और मनमोहक दृश्यों को प्रस्तुत करता है। रतलाम सिर्फ अपनी खूबसूरती ही नहीं बल्कि सोना-चांदी के लिए भी जाना जाता है। रतलाम में स्थित चांदी चौक में राज्य के हर कोने से लोग आभूषण खरीदने के लिए आते हैं।

दूरी-उज्जैन से रतलाम की दूरी लगभग 103 किमी है।

स्वर्ग से कम नहीं है उत्तराखंड का यह अद्भुत गांव, पांडवों से जुड़ा है रिश्ता

उत्तराखंड देश का एक प्रमुख पहाड़ी राज्य होने के साथ-साथ एक विश्व प्रसिद्ध पर्यटन केंद्र भी माना जाता है। साल 2000 में उत्तर प्रदेश से अलग होकर उत्तराखंड बना था। उत्तराखंड सिर्फ एक खूबसूरत राज्य ही नहीं, बल्कि इसे देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है। उत्तराखंड की धरती पर ऐसी कई पौराणिक और अद्भुत जगहें मौजूद हैं, जिन्हें एक्सप्लोर करना कई लोगों का सपना होता है। कलाप की खासियत के बारे में बताने से पहले आपको बता दें कि यह उत्तराखंड की टन्स घाटी में स्थित है। यह उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से करीब 250 किमी की दूरी पर स्थित है। इसके अलावा, कलाप दिल्ली से करीब 575 किमी दूर है। आपको यह भी बता दें कि कलाप रूपिन नदी के किनारे करीब 7 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय की हसीन वादियों में मौजूद कलाप एक अद्भुत जगह है, जहां की खूबसूरती और सादगी सैलानियों को खूब आकर्षित करती है। गढ़वाल क्षेत्र के आखिरी में स्थित कलाप को गांव और कलाप घाटी के नाम से भी जाना जाता है।

बादलों से ढका यह गांव प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी हसीन जन्नत से कम नहीं है। यहां का शांत वातावरण, देवदार के बड़े-बड़े पेड़, घास के मैदान और झील-झरने खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। यहां से हिमालय की अद्भुत खूबसूरती को निहारा जा सकता है। बर्फबारी के समय इस गांव की खूबसूरती चरम पर होती है।

पौराणिक कथा

कलाप गांव सिर्फ अपनी खूबसूरती के लिए ही नहीं, बल्कि कई पौराणिक कहानियों से के लिए भी जाना जाता है। जी हां, इस अद्भुत गांव के बारे में कहा जाता है कि यहां के लोग महाभारत के पांडवों और कौरव भाइयों के वंशज हैं कलाप गांव में कर्ण को समर्पित एक प्रसिद्ध और पवित्र मंदिर है। इस गांव में कर्ण महाराजा उत्सव नाम का एक त्योहार भी मनाया जाता है। कहा जाता है कि जनवरी में यहां पर पांडव नृत्य उत्सव भी होता है कलाप गांव प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। शुद्ध वातावरण, नीले-नीले आकाश, क्रिस्टल से भी साफ नदियों का पानी और ठंडी हवाएं खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती हैं। खूबसूरती के बीच ट्रैकिंग से लेकर हाईकिंग और कैम्पिंग का भी लुत्फ उठाया जा सकता है।

झीलों, पहाड़ियों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है लवासा

लवासा, महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित एक योजनाबद्ध शहर है, जिसे एक हिल स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है। यह स्थान अपनी खूबसूरत झीलों, पहाड़ियों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। लवासा की स्थापना 2000 में की गई थी और यह भारत का पहला योजनाबद्ध शहर है जो पूरी तरह से एक नए तरीके से डिजाइन किया गया है। लवासा का वातावरण अद्वितीय है। यहाँ की हरी पहाड़ियाँ, नीले आसमान और साफ झीलें इसे एक सुंदर पर्यटन स्थल बनाते हैं। यहां का मौसम भी बहुत Pleasant रहता है, खासकर मानसून में जब चारों ओर हरियाली छा जाती है। लवासा में कई पार्क, उद्यान और झीलें हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

लवासा झील: यह झील लवासा का मुख्य आकर्षण है। यहाँ आप बोटिंग का आनंद ले सकते हैं और झील के किनारे पर चलने का मजा ले सकते हैं।

हाइकिंग और ट्रेकिंग: लवासा के आस-पास कई ट्रैकिंग मार्ग हैं, जो साहसिक प्रेमियों के लिए आदर्श हैं। यहाँ की पहाड़ियों में चलना एक अनोखा अनुभव देता है।

रेस्टोरेंट और कैफे: लवासा में कई अच्छे रेस्टोरेंट और कैफे हैं, जहां आप विभिन्न प्रकार के व्यंजन का स्वाद ले सकते हैं। यहां का स्थानीय भोजन बहुत प्रसिद्ध है।

सपनों का गांव: यह एक खूबसूरत स्थान है जहां पर स्थानीय कला और शिल्प का प्रदर्शन किया जाता है। यहाँ के शिल्पकारों द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प आपको पसंद आएंगे।

लवासा की संस्कृति में आधुनिकता और प्राकृतिक जीवन का मेल है। यहां के निवासी पर्यटकों का स्वागत करते हैं और स्थानीय परंपराओं को बड़े गर्व के साथ निभाते हैं। यह स्थान पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है और यहां के लोग इसे साफ-सुथरा रखने का प्रयास करते हैं। लवासा जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से फरवरी के बीच है। इस दौरान मौसम सुखद रहता है और प्राकृतिक सौंदर्य अपने चरम पर होता है। मानसून के समय यहां का दृश्य और भी मनमोहक हो जाता है।

कम बजट में पूरा होगा फॉरेन ट्रिप का सपना, इन देशों की कर सकते हैं सैर

घूमना किसे पसंद नहीं होता, वीकेंड हो या कोई हॉलीडे.. जब भी मौका लगता है, तो कहीं न कहीं घूम ही आते हैं। हालांकि, कई बार देश से बाहर घूमने की भी इच्छा होती है, लेकिन बजट की वजह से हम अपना ट्रिप कहीं आसपास ही प्लान करते हैं। मगर हर बार ऐसा करना सही नहीं रहता, एक बार तो हमें प्लान करना ही होगा। घूमना-फिरना आपके मन को सुकून पहुंचाता है। हमें ट्रैवलिंग के नए-नए एक्सपीरियंस होते हैं। कई बार हमारा सफर इंग्लिश वाला सफर बन जाता है, तो कभी हम अपनी लापरवाही की वजह से कई तरह की परेशानी का सामना करते हैं।

नेपाल

नेपाल सबसे किफायती इंटरनेशनल डेस्टिनेशन में से एक है। काठमांडू और पोखरा जैसे शहरों में हिमालय की सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। वीजा की जरूरत नहीं होने के कारण यात्रा और भी आसान हो जाती है। आप यहां ट्रेकिंग, दर्शनीय स्थलों पर जाना और आध्यात्मिक यात्रा का एक्सपीरियंस कर सकते हैं।

कहां घूमें- पशुपतिनाथ मंदिर, पोखरा, काठमांडू, नगरकोट।

कुल खर्च- 30,000- 50,000 हजार।

भूटान

भारत का पड़ोसी देश भूटान अपनी सुंदरता और शांति के लिए जाना जाता है। यहां भारतीयों को वीजा की जरूरत नहीं होती है। साथ ही, आपको यहां का स्थानीय परिवहन भी काफी सस्ता पड़ेगा।

कहां घूमें- थिंपू, पारो, पुनाखा, टाइगर नेस्ट मॉनेस्ट्री।

कुल खर्च- 40,000-60,000 हजार।

श्रीलंका

श्रीलंका भारत के दक्षिण में स्थित है और यह समुद्र तटों, प्राचीन मंदिरों और वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है। आप यहां जाने का प्लान बना सकते हैं। यहां की सस्ती उड़ानें और होटल इस देश को भारतीय यात्रियों के लिए किफायती बनाते हैं। आप यहां सुंदर बीच, प्राचीन किले और नेचर ट्रेल्स का लुत्फ उठा सकते हैं।

कहां घूमें- कोलंबो, कांडी, गॉल, सिगिरिया।

कुल खर्च- 50,000-70,000 हजार।

थाईलैंड

थाईलैंड बहुत लोगों का फेवरेट है, जिसे खाना, संस्कृति और समुद्र तट पर्यटकों को खूब भाते हैं। बैंकॉक की रंगीन सड़कों से लेकर फुकेत और पटाया के समुद्र तटों तक, हर जगह घूमने का अलग होता है। यहां की सस्ती फ्लाइट्स और ठहरने के किफायती ऑप्शन मौजूद हैं, जिसे बजट में रहने वाला देश बनाते हैं।

कहां घूमें- बैंकॉक, पटाया, फुकेत, क्राबी।

कुल खर्च- 60,000-80,000 हजार।

वियतनाम

वियतनाम एक सस्ता और सुंदर देश है, जो भारतीय यात्रियों के बीच धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रहा है। हनोई और हो ची मिन्ह सिटी की ऐतिहासिक धरोहरें और हालोंग बे की सुंदरता देखने लायक हैं। इस देश को बजट में घूमने लायक बनाती हैं।

कहां घूमें- हनोई, हो ची मिन्ह सिटी, हालोंग बे, फू कॉक आइलैंड।

कुल खर्च- 60,000-90,000 हजार।

डांडिया-गरबा नाइट के लिए ये जगहें हैं बेस्ट

दोस्तों के साथ नवरात्र का मजा हो जाएगा दोगुना

नवरात्रि के दौरान डांडिया और गरबा सामूहिक रूप से खेला जाता है। इसे खुले मैदान या बड़े हॉल में सभी एक साथ मिलकर खेलते हैं। डांडिया और गरबा नवरात्रि के पर्व में खेला जाने वाला एक नृत्य, जिसका इंतजार भक्तों को पूरे साल रहता है। नवरात्रि आते ही लोगों में सबसे ज्यादा खुशी डांडिया और गरबा खेलने की होती है। ये नृत्य मां दुर्गा की आराधना और उत्सव का प्रतीक माना जाता है। गरबा के दौरान लोग मां दुर्गा की मूर्ति के चारों ओर घूमते हैं और जश्न मनाते हैं। कई लोगों को डांडिया-गरबा खेलना इतना ज्यादा पसंद होती है कि वह इसके लिए प्रैक्टिस भी करते हैं। दोस्तों और परिवार के साथ मस्ती करने और भगवान की आराधना करने की सबसे अच्छा तरीका है। अगर आप इस पर्व में गुजरात घूमने जा रहे हैं, तो आप कुछ खास जगहों पर गरबा खेलने जा सकते हैं। गरबा और डांडिया गुजरात की सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं। यह नृत्य यहां की लोक संस्कृति में गहराई से जड़ा हुआ है। गुजरात का गरबा और डांडिया अंतरराष्ट्रीय तौर पर भी फेमस है। केवल भारत से ही नहीं बल्कि विदेश से भी लोग गुजरात में इन नृत्यों का आनंद लेने आते हैं और इसमें भाग लेते हैं।

नवशक्ति नवरात्रि गरबा

यहां नवरात्रि को बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है, और लोग मां दुर्गा की भक्ति में डांडिया और गरबा को प्रमुख रूप से शामिल करते हैं। नवशक्ति में, वे गरबा खिलाड़ियों से एक पैसा भी नहीं लिया जाता है। इसलिए आप बिना किसी एंट्री फीस के यहां गरबा खेलने जा सकते हैं। गरबा-डांडिया खेलने के लिए तैयार हो जाएं।

लोकेशन- बीजी पटेल ग्राउंड, नेरा अमित नगर, करेलीबाग, वडोदरा, गुजरात

वडोदरा (बड़ौदा)

अगर गुजरात में गरबा खेलने के लिए एक बड़े उत्सव का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो यहां जा सकते हैं। वडोदरा में वाइब्रेंट नवरात्रि में हर साल भारी भीड़ उमड़ती है। यहां गुजरात से बल्कि दुनिया भर से प्रतिभागियों को आकर्षित करता है। इसे गुजरात का सबसे बड़ा गरबा समारोह स्थल माना जाता है। इसे बेस्ट गरबा-डांडिया इवेंट कहा जाता है।

लोकेशन- वीवीएन गरबा मैदान, वडोदरा

प्राइस- 450 रुपए

फाल्गुनी पाठक के साथ नवरात्रि उत्सव

अगर नवरात्रि का मजा फाल्गुनी पाठक के साथ मिल जाए, तो इससे अच्छा और क्या हो सकता है। 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में फाल्गुनी पाठक के लाइव संगीत पर आपको गरबा-डांडिया खेलने का मौका मिलने वाला है। **प्राइस**- 1499 रुपए प्रति व्यक्ति

लोकेशन- एफ.पी.-104/2, शैंकस फार्म, स्वर्णिम स्टोन रोड, वैष्णो देवी रोड, स्पिनी पार्क के पीछे, गोटा, छरोडी, अहमदाबाद, गुजरात

अहिंसा और क्षमा विश्वशांति की ओर ले जाने वाली अहम कढी, भारतीय संस्कृति और विचार वर्तमान समय में भी प्रासंगिक- भजनलाल शर्मा

जयपुर 7 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक सभी जैन तीर्थंकरों ने सदैव अहिंसा और क्षमा का सन्देश दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के सभी धर्मों में अहिंसा एवं क्षमा को विशेष महत्व दिया गया है तथा जैन धर्म ने इसे नई पहचान प्रदान की। उन्होंने कहा कि जैन धर्म में अहिंसा और क्षमा सूक्ष्म से सूक्ष्म जीवों तक विस्तृत है तथा यह सिद्धांत विश्वशांति की ओर ले जाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। जैन धर्म के पूज्य जनों का एक साथ आना राजस्थान की जनता के लिए एक सुन्दर सन्देश है।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित जैन धर्म के सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जैन तीर्थंकरों ने दुनिया को सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह के सिद्धांतों के माध्यम से मार्ग दिखाया, जिससे हमारी संस्कृति और विचार वर्तमान समय में भी पूरी दुनिया में प्रासंगिक हैं। साधु-मुनियों की वाणी ईश्वरीय रूप होती है, जिनके आशीर्वाद से भारत दुनिया में अपनी पहचान बनाए हुए है तथा 21वीं सदी में विकसित भारत के रूप में दुनिया की महाशक्ति बनेगा।

विकसित राजस्थान से होगा विकसित भारत का संकल्प पूरा-मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने 9 माह के अल्प समय में ही प्रदेश में विकास की गति को बढ़ाया है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में हम विकसित राजस्थान की ओर मजबूती से बढ़ रहे हैं। शर्मा ने कहा कि जैन धर्म के आस्था स्थलों के विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रणकपुर जैन मन्दिर के सौन्दर्गीकरण एवं सुविधायें विकसित करने का तथा नसियां जी विराटनगर में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं विकास कार्य करवाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार राइजिंग राजस्थान का आयोजन करने जा रही है। उन्होंने व्यवसायियों से राइजिंग राजस्थान समिट में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

भगवान महावीर का संदेश यही एकता की बात बताता है- श्वेतांबर और दिगंबर एक साथ क्षमावाणी पर्व मनाता है

कार्यक्रम में आचार्य शशांक सागर महाराज ने कहा कि राजस्थान में पहली बार इस तरह का आयोजन किया जा रहा है। यह सुन्दर क्षण है कि यहां दिगम्बर और श्वेताम्बर मुनि एक साथ क्षमावाणी समारोह मना रहे हैं और यही भगवान महावीर का एकता का संदेश है। आचार्य श्री विश्वरत्न सागर महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री निवास पर सामूहिक क्षमावाणी की यह पहल सराहनीय है। मुनि अर्चित सागर महाराज ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के शाकाहारी जीवन पद्धति का उल्लेख करते हुए सराहना की। साथ ही, मुनि पावन सागर महाराज, मुनि श्री तत्वरूचि महाराज, मुनि सम्यक रत्न विजय महाराज, साध्वी श्रुत दर्शना ने भी आशीर्वचन दिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जैन मुनियों को जैन शास्त्र भेंट किए।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, सांसद मदन राठौड, श्रीमती मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सर्राफ, जयपुर नगर निगम हेरिटेज महापौर श्रीमती कुसुम यादव, उप महापौर पुनीत कर्णावट सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

झीलकाबाड़ा मन्दिर से देवस्थान को करोड़ो की आय के बाद भी प्रवेश द्वार की हालत जर्जर

बयाना 7 अक्टूबर। जिले के प्रमुख आस्था धाम शक्तिपीठ श्री कैलादेवी झील का बाड़ा मंदिर परिक्षेत्र के विकास और देखरेख को लेकर जिम्मेदारों की बेरुखी कितनी हैए इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बयाना. भरतपुर स्टेट हाईवे से मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते पर बना प्रवेश द्वार दयनीय हालत में है। कैलादेवी झील का बा ?ा में साल में दो बार लगने वाले चैत्र और शारदीय नवरात्र लक्खी मेलों से देवस्थान विभाग को करीब एक करो? रुपए की आय होती है। लेकिन इसके बावजूद देवस्थान विभाग का ध्यान सुविधाओं को विकसित करने की तरफनहीं है। मंदिर का प्रवेश द्वार काफी पुराना होने से जर्जर हालत में आ गया है। वहीं गेट पर लगा आधा बोर्ड भी नदारद हो गया है। इससे राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेशए हरियाणाए दिल्लए मध्य प्रदेश आदि प्रान्तों से मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की भावना आहत हो रही है। विशेष कर दूसरे राज्यों के श्रद्धालु यह कहते हुए देखे जाते हैं कि राजस्थान सरकार का मंदिर के विकास को लेकर कोई ध्यान नहीं है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब 40 साल पहले स्थानीय ग्राम पंचायत लहचोरा कलां ने प्रवेश द्वारा बनवाया था। लेकिन उसके बाद से इसके देखरेख को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया गया जिससे प्रवेश द्वार जर्जर हाल में आ गया है। वही इस प्रवेश द्वार से 200 मीटर आगे तक सड़क भी क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है। जिससे आए दिन मंदिर आने वाले श्रद्धालु दुर्घटनाग्रस्त होते रहते हैं

वहीं पिछले 10 महीने में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी दो बार कैलादेवी झील का बाडा का विजिट कर चुके हैं। हालांकि वे हेलिकॉप्टर से आए थे। कैला देवी झील माता मुख्यमंत्री सहित भरतपुर के पूर्व राज परिवारों की कुलदेवी भी हैं। पूर्व राज परिवार के सदस्य विश्वेंद्र सिंह पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में देवस्थान मंत्री भी रहेए लेकिन मंदिर के हालात खास नहीं बदले। जिला कलेक्टर से लेकर स्थानीय अधिकारी तो साल में कई बार झील का बाड़ा आते हैं। लेकिन किसी का भी ध्यान प्रवेश द्वार के टूटे पड़े बोर्ड की तरफनहीं गया। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र कंसाना का कहना है कि कैला देवी झील का बड़ा के प्रवेश द्वार को खाटू श्याम जी की तर्ज पर तोरण द्वार के रूप में विकसित किया जा सकता है।

मकान निर्माण करते समय पेड़ से गिरकर राजमिस्त्री की मौत

कामां 7 अक्टूबर। कामां कस्बे के अग्रवाल धर्मशाला के सामने डॉ अमरचंद शर्मा के क्लीनिक की दूसरी मंजिल पर चल रहे मकान निर्माण के दौरान लकड़ी की चाली बल्ली पर चढ़कर कार्य कर रहे एक राज मिस्त्री की जमीन पर गिरने से मौत हो गई गिरने के बाद मिस्त्री को लोगों द्वारा कामा अस्पताल में भर्ती कराया गया था कराया गया था जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार कामां कस्बे के कामेश्वर मोहल्ला निवासी लख्मीचंद पुत्र लेखराम कोली राजमिस्त्री का कार्य करता है पिछले कई दिनों से वह अग्रवाल धर्मशाला के पास डॉक्टर बबलू शर्मा पुत्र अमरचंद शर्मा के क्लीनिक के ऊपर वाली मंजिल पर मकान निर्माण का कार्य कर रहा था रोजाना की तरह आज भी वह लकड़ी की चाली बल्ली लगाकर उस पर चढ़कर अपने साथी श्रमिकों के साथ मकान निर्माण का कार्य कर रहा था इसी दौरान वह अचानक जमीन पर आ गिका और गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे कामां अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई घटना का मामला मृतक के भाई लक्ष्मण ने कामां थाने में दर्ज कराया है पुलिस के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

डायबिटीज चैकअप कैम्प का हुआ आयोजन

भरतपुर 7 अक्टूबर। लॉयन्स क्लब भरतपुर द्वारा सेवा सप्ताह के पॉचवें दिन कृषि उपज मन्डी के पास, डीग रोड, डायविटीज चैकअप कैम्प एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान कार्यक्रम के मुख्य संयोजक लॉयन शिवशंकर वंसल, अध्यक्ष लॉयन लक्ष्मण पाठक, जेडसी लॉयन रवि कुमार सिंघल, सेवा सप्ताह सहसंयोजक लॉयन राजेन्द्र प्रसाद शर्मा कार्यक्रम का शुभारंभ किया, तत्पश्चात लॉयन शिवशंकर वंसल नें मधुमेह के वारें में उपस्थित सभी लोगो को समझाया। क्लब द्वारा स्वराज ट्रैक्टर शोरुम के निदेशक लोकेश आर्य का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया । शिविर में जिंदल हास्पीटल की तरफ डॉ. दिनेश द्वारा लगभग 100 लोगों की डायविटीज चैक किया गया । कार्यक्रम का संचालन सचिव लॉयन जितेन्द्र अग्रवाल ने किया । कार्यक्रम के प्रायोजक लॉयन नृपेश आर्य एवं डॉ0 पी.आर. जिंदल रहे कार्यक्रम के पश्चात प्रायोजक द्वारा सभी को स्वल्पाहार कराया गया ।

कुबेर नगरी के भामाशाहों में लगी सेवा करने की होड़

कुम्हेर 7 अक्टूबर। कुम्हेर के स्वर्गीय रामजीलाल स्वर्णकार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में चल रही 68वीं राज्य स्तरीय माध्यमिकध्उच्च माध्यमिक विद्यालयी 17/19 वर्षीय छात्रध्छात्रा जिम्नास्टिक प्रतियोगिता 2024 के संयोजक प्रधानाचार्य डॉक्टर सोरन सिंह ने बताया कि समाज सेवी पारस जैन की प्रेरणा से योगेश बंसलएअनंत अग्रवाल एवं ऋषि कुंतल ने जिम्नास्टिक प्रतियोगिता के समस्त प्रतिभागियों को नाश्ता कराया तो किन्नर समाज की अध्यक्षा बुलबुल किन्नर ने रात्रि भोज की व्यवस्था की है। यही नहीं रोजाना नाश्ते के लिए भामाशाहों में अपनी बारी आने का इंतजार करना पड़ रहा है।

गौ सेवा सहायता सेना पदाधिकारी को सम्मानित करये हुए

सुधीर कटारा बने सेवर ब्लाक अध्यक्ष

भरतपुर 7 अक्टूबर। प्रान्तीय संरक्षक तथा जिला निर्वाचन अधिकारी अशोक पाराशर तथा पवन शर्मा अति0 प्रदेश महामंत्री के पर्यवेक्षण में जिला निर्वाचन अधिकारी होती लाल जैमन जिलाध्यक्ष तथा याचना शर्मा द्वारा एस.बी.के. महात्मा गांधी विद्यालय में राजस्थान शिक्षक संघ ब्लॉक सेवर का निर्वाचन सामूहिक सहमति तथा निर्विरोध रूप से सम्पन्न हुआ। निर्वाचित पदाधिकारी में अशोक कुमार गौतम सभाध्यक्ष, रिजवान खान उप सभाध्यक्ष, सुधीर कटारा अध्यक्ष, मनोज शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष, सत्येन्द्र कुमार उपाध्यक्ष प्रा0शिक्षा, रसाल सिंह उपाध्यक्ष मा0 शिक्षा, भरतेश कुमार जैमन मंत्री, मैथलीशरण कोषाध्यक्ष तथा सदस्य अध्यापक धीरज गुप्ता, संरक्षक मण्डल में श्रीमती बृजलता मुदगल, संगठन मंत्री देवेन्द्र चौधरी, प्रदेश महिला संगठन मंत्री याचना शर्मा, कार्यालय दीपक प्रजापत, क्षेत्रीय संगठन मंत्री हरवेन्द्र सिंह निर्वाचित हुए हैं। कार्यक्रम में अनूप सिंह, प्रेमचंद शर्मा, मुरारीलाल शर्मा, सुरेन्द्र सिंह, शैलेष मुदगल, लोकेन्द्र नाथ शर्मा, लोकेन्द्र कुमार, ओमप्रकाश शर्मा, राजेन्द्र पंच, केशवदेव शर्मा, मदन मोहन शर्मा, राजेश शर्मा, सुरेन्द्र सिंह मदेरणा, विवेक शर्मा, जगदीश कटारा, नन्दकिशोर शर्मा, राजकुमारी, आदि मौजूद रहे। अंत में कार्यकारिणी का माल्यार्पण कर स्वागत किया और पद की शपथ दिलाई गई।

गौ सेवा सहायता सेना गौ बच्चा घाट पर गौशाला चलाएगी

नगर 7 अक्टूबर। नगर राष्ट्रीय गौ सेवा सहायता सेना अधिवेशन में जबलपुर के पाटन में रूप श्याम त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित हुआ एवं बच्चा घाट के पास गौ शाला विकसित कर चल रहे सेवा कार्य की सफलता में जबलपुर प्रदेश मुख्य मंत्री से सहायता की मांग की वर्तमान में मैया नर्वदा तट भेड़ा घाट सरस्वती घाट के पास संचालित गोशाला में अनेकों बार थाना से भेजी जाने वालीं गायों की संख्या और स्थानाभाव के समाधान को गौ बच्चा घाट के पास गौशाला अभियान की सफलता में सहयोग का आवाहन किया। पाटन के विकास पुरुष भगवत गुरु को प्रदर्शक मानकर नर्वदा मैया की परिक्रमा मार्ग में काटे हटाओ फूल लगाओ अभियान चलाकर किए जा रहे कार्यों का उल्लेख कर मुकेश पटेल ने रूप श्याम त्रिपाठी के कार्यों की सराहना कर सेवा को समर्पित रहकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया वीरेंद्र कुमार ने बजरंगदल कार्यकर्ताओं से गौ माता की रक्षा और गो वंश की सुरक्षा सेवा सहायता को संकल्पित होकर कार्य करने की अपील कर नर्वदा क्षेत्र में गायों और गोवंश को गोशाला अभियान में सभी से सहयोग का भरोसा व्यक्त किया बिजली ऑफिस के पास दक्षिणमुखी हनुमान जी मंदिर पर चल रहीं प्रशंसनीय कार्य शैली पर महंत राजेंद्र मिश्रा ने रूप श्याम त्रिपाठी को सम्मानित किया।

कार्बन खेती में छोटे और सीमांत किसानों के लिए लाभ का द्वार

कृषि में कार्बन क्रेडिट बाजार अभी प्रारंभिक अवस्था में है और इसके लिए सख्त नियामक प्रणाली की आवश्यकता है। छोटे पैमाने के किसान जो कम कार्बन और वनों की कटाई से मुक्त पद्धतियों को लागू करते हैंए वे कार्बन बाजारों से लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में हैं। कार्बन बाजार उन किसानों को मुआवजा देने या प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन प्रदान करते हैं जो महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैंए जैसे कि ग्रीनहाउस गैसों को अलग करना या टिकाऊ खेती प्रथाओं का उपयोग करना। कार्बन पृथक्करण से परेए कार्बन वित्त परियोजनाओं के तहत कृषि वानिकी मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती हैए जल प्रतिधारण में सुधार करती है और कटाव को कम करती हैए जिससे कृषि उत्पादकता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावाए यह क्षरित भूमि को बहाल करके तथा जलवायु संबंधी जोखिमों के विरुद्ध एक बफर प्रदान करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है।

छोटे पैमाने के किसानों के लिएए कार्बन बाज़ार खेती के तरीकों को बेहतर बनानेए जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने और वैश्विक जलवायु समाधानों में उनके योगदान का अवसर प्रदान करते हैं। कई कार्बन परियोजनाओं का उद्देश्य वनोंए आर्द्रभूमि और अन्य पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा और उन्हें बहाल करना है। ये पारिस्थितिकी तंत्र जैव विविधता के महत्वपूर्ण स्रोत हैं और छोटे किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका के अवसर प्रदान कर सकते हैं। देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पिछले छह दशकों से भारतीय कृषि में गहन खेती की प्रथाएँ अपनाई गई हैं। इसके परिणामस्वरूप देश भर में प्रमुख खेती योग्य भूमि में मिट्टी के कार्बनिक कार्बन में महत्वपूर्ण कमीए मिट्टी की उर्वरता में गिरावट और रासायनिक प्रदूषण हुआ है। इसके अलावाए प्रमुख अनाजों की एकल.फसल खेती के साथ गहन खेती ने जैव विविधता को नुकसान पहुँचाया और भूजल संसाधनों की कमी हुई। इन खेती प्रथाओं ने ग्रीनहाउस गैस ;जीएचजीद्ध उत्सर्जन में भी वृद्धि की है जो ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन में योगदान करती है। भारत का कृषि वानिकी क्षेत्र कार्बन वित्त परियोजनाओं के साथ एकीकरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता हैए विशेष रूप से वनरोपणए पुनर्वनरोपण और पुनर्वनीकरण पहलों के माध्यम से।

कार्बन वित्त परियोजनाओं के माध्यम से कार्बन पृथक्करण कार्बन को अलग करने की कृषि वानिकी की क्षमता इसे कार्बन वित्त पहलों का एक केंद्रीय घटक बनाती है। कार्बन वित्त परियोजनाओं में पेड़ लगाना या कृषि परिदृश्य में वृक्ष आवरण को बढ़ाना शामिल हैए जिससे किसान कार्बन पृथक्करण गतिविधियों के माध्यम से कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। 2050 तक कृषि वानिकी क्षेत्र को 53 मिलियन हेक्टेयर तक विस्तारित करना बड़े पैमाने पर कार्बन पृथक्करण और वैश्विक कार्बन बाजारों में भागीदारी का अवसर प्रस्तुत करता है। कार्बन वित्त परियोजना पहल आय विविधीकरण की क्षमता भी प्रदान करती हैए विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए। हालांकिए छोटे किसानों को अभी भी कार्बन बाजारों से बड़े पैमाने पर लाभ नहीं मिला है . मुख्य रूप से कम कीमतों की पेशकश और व्यापार योग्यए अद्वितीय और सत्यापन योग्य कार्बन क्रेडिट बनाने की उच्च लागत के कारण। इसके अलावाए कार्बन बाजारों में भाग लेने के लिए समय और संसाधनों के महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि कार्बन बाजार कार्बन पृथक्करण के लिए वित्तीय लाभ प्रदान कर सकते हैं, लेकिन किसानों द्वारा वहन की जाने वाली लागतों को कवर करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन अपर्याप्त हो सकते हैं। फिर भीए बाजार तेजी से बदल रहा हैए और नई प्रौद्योगिकियां जो संभव है उसकी सीमा का विस्तार कर रही हैं।

कार्बन पृथक्करण से परेए कार्बन वित्त परियोजनाओं के तहत कृषि वानिकी मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती हैए जल प्रतिधारण में सुधार करती है और कटाव को कम करती हैए जिससे कृषि उत्पादकता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावाए यह क्षरित भूमि को बहाल करके तथा जलवायु संबंधी जोखिमों के विरुद्ध एक बफर प्रदान करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है। कृषि वानिकी का समर्थन करने वाली सरकारी नीतियाँ जैसे राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीतिए 2014 भारत में कृषि वानिकी के विस्तार के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। कार्बन वित्त के साथ आगे एकीकरण के लिएए इस नीति को कार्बन वित्त परियोजनाओं पहलों का स्पष्ट रूप से समर्थन करने तथा कार्बन बाजारों तक पहुँच को सुगम बनाने के लिए संशोधित किया जाना चाहिए। कार्बन पृथक्करण के लिए सब्सिडी और वित्तीय सहायताए वित्तीय प्रोत्साहनए जैसे कि पेड़ लगाने या वन आवरण को बनाए रखने के लिए सब्सिडीए छोटे किसानों को व्यवस्थित रूप से कृषि वानिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। क्षमता निर्माण और जागरूकता अभियान कृषि वानिकी और कार्बन वित्त के लाभों के बारे में किसानों को शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। विस्तार सेवाएँ और गैर सरकारी संगठन सूचना प्रसारित करने और तकनीकी सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैंए जिससे छोटे और सीमांत किसान कार्बन वित्त पहलों में भाग ले सकें।

निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जैसे सार्वजनिक.निजी भागीदारी ;पीपीपीद्ध के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और अंतर्राष्ट्रीय कार्बन वित्त प्लेटफार्मों के साथ जुड़ना कृषि वानिकी.आधारित कार्बन वित्त परियोजनाओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण होगा। वेरा और गोल्ड स्टैंडर्ड जैसे वैश्विक प्लेटफार्मों को भारत.केंद्रित मानकों की आवश्यकता को पहचानने की आवश्यकता है जो छोटे किसानों की कृषि की अनूठी चुनौतियों को ध्यान में रखते हैं। भारत में कृषि वानिकी में कार्बन पृथक्करणए पर्यावरणीय स्थिरता और ग्रामीण आर्थिक विकास में योगदान करने की अपार क्षमता है। भारत में कृषि क्षेत्र के लिए स्वैच्छिक कार्बन बाजार ;वीसीएमद्ध को बढ़ावा देने के लिए एक रूपरेखा तैयार की हैए ताकि छोटे और सीमांत किसानों को कार्बन क्रेडिट लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। किसानों को कार्बन बाजार से परिचित कराने से उनकी आय में वृद्धि के साथ.साथ पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों की स्वीकृति में तेजी आ सकती है। किसान टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपना सकते हैं और कार्बन क्रेडिट से अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैंए साथ ही मिट्टीए पानीए जैव.विविधता आदि जैसी बेहतर प्राकृतिक पूंजी के संदर्भ में अन्य कृषि.पारिस्थितिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

कृषि में कार्बन क्रेडिट बाजार अपनी प्रारंभिक अवस्था में है और इसके लिए सख्त निगरानी और नियामक प्रणाली की आवश्यकता है। ऐसी चिंताएं हैं कि असममित जानकारीए पारदर्शिता की कमी और अपर्याप्त विनियमन कार्बन क्रेडिट के लिए अनुचित मूल्य निर्धारण प्रथाओं को जन्म दे सकते हैंए जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आय कम हो सकती है। इसके अतिरिक्तए किसानों और ग्रामीण समुदायों में ज्ञान और जागरूकता की कमी उनके शोषण का कारण बन सकती है। देश में इस बारे में पारदर्शिताए विनियमन और व्यापक जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत उपायों की तत्काल आवश्यकता है। देश में कुशल और पारदर्शी कामकाज के लिए ये प्रणालियाँ आवश्यक हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इच्छित लाभ किसानों तक पहुँचें। कृषि क्षेत्र में स्वैच्छिक कार्बन बाजारों के लिए रूपरेखा कृषि समुदाय के बीच कार्बन बाजार को बढ़ावा देनेए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने और वित्तपोषित करने में मदद करेगी। वीसीएम रूपरेखा का मुख्य उद्देश्य हितधारकों को जागरूक बनाना और उनका क्षमता निर्माण करनाए किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। आगे चलकर यह सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देगाए ग्रामीण आजीविका में सहायता प्रदान करेगा और कृषि में लचीलापन बढ़ाएगा।

मुनि श्री शुभक्रिया सागर जी महाराज की श्रद्धांजलि सभा हुई आयोजित

कामां 7 अक्टूबर। कामां के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर दीवान में मुनि श्रीशुभ क्रिया सागर महाराज के समाधि पूर्वक देवलोक गमन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर जैन समाज कामां ने श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि कामां निवासी हजारीलाल जैन ने दिगम्बर दीक्षा धारण कर जीवन को धन्य किया है और साथ ही जैन समाज कामां को गौरवान्वित किया है।

मन्दिर समिति के महामंत्री संजय जैन बडजात्या ने बताया कि 91 वर्षीय हजारीलाल जैन पुत्र मोतीलाल जैन कामां निवासी थे जो वर्तमान में दिल्ली प्रवास कर रहे थे। उन्होंने आचार्य सौभाग्य सागर महाराज से उत्तर प्रदेश के नोयडा स्थित सेक्टर 23 के जैन मंदिर में जैनेश्वरी दीक्षा धारण की और संलेखना धारण कर समाधि पूर्वक मृत्यु को वरण किया गया। उनके पोते सचिन जैन ने बताया कि बाबा प्रारम्भ से ही धार्मिक विचारधारा वाले व्यक्ति थे। श्रद्धांजलि सभा मे संजय सर्राफ, दीपक सर्राफ, सतेंद्र जैन, रिंकू बडजात्या, उदयभान जैन, मनीषा जैन ने हजारीलाल जैन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाधिमरण को प्राप्त होना अति दुर्लभ है। अधिक पुण्यवान व्यक्ति ही सन्तो के सानिध्य में संलेखना धारण कर समाधि पूर्वक देवलोकगमन करते है। अंत भला सो सब भला अर्थात जिसका अंत अच्छा होता है उसका सब कुछ अच्छा हो जाता है। निश्चित रूप से हजारीलाल जैन ने मुनि पद प्राप्त कर जैन समाज कामां का गौरव बडजाया है। इस अवसर पर जैन समाज अध्यक्ष अनिल जैन, भागचंद जैन बडजात्या, प्रदीप बडजात्या, देवेंद्र जैन, मयंक जैन सहित महिला व पुरुष उपस्थित रहे।

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स नरेन्द्र तिवारी खनन पट्टा सं. 27/1994 क्षेत्रफल 10.00 हैक्टेयर निकट ग्राम राजपुरा तह. रूपवास जिला भरतपुर को STATE LAVEL ENVIRONMENT IMPACT ASSESMENT AUTHORITY ()SEIAA जयपुर राजस्थान के पत्रांक F.1(4) SEIAA/SEAC-RAJ./Sect./Project/cat.B1 (22680/2021-22) दिनांक 03.09.24 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। जिसकी प्रति Environment. Rajasthan.gov. in पर भी देखी जा सकती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित व सिटी कोतवाली के पास, भरतपुर से प्रकाशित सम्पादक- जगदीश अग्रवाल फोन नं. 05644-223780, मो. 9414023410,जयपुर कार्यालयः डी.एल.टावर 3-ए- विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग, निदेशक बी.एम.शर्मा, सम्पादक महेन्द्र यादव फोन नं. 2709102-3, अलवर कार्यालय केडलगंज सम्पादक चन्द्रप्रकाश सैनी फोन नं. 2135105, 2701531, नागौर कार्यालय राजकीय चिकित्सालय के सामने नागौर सम्पादक रमेश जैन फोन नं. 240071 डाक पं.स./ बीटीपी/2018-20, आरएनआई नं. 48651/90